दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 104
मुरादाबाद
03 August 2025
(Sunday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हम उन चीजों को खरीदेंगे, जिसे बनाने में भारत का पसीना बहा ह;काशी से PM मोदी का अहम संदेश

पीएम मोदी शनिवार को काशी दौरे पर आए। इस दौरान उन्होंने 2200 करोड़ की 52 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। साथ ही जनसभा को संबोधित करते हुए स्वदेशी का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।देश के लोग स्वदेशी का संकल्प लें। हम उन चीजों को खरीदेंगे जिसे बनाने में भारत का पसीना बहा है। हमें वोकल फॉर लोकल मंत्र को अपनाना होगा। हम संकल्प लें कि हम मेक इन इंडिया को बढ़ावा देंगे। हमारे घर में जो भी नया सामान आएगा वह स्वदेशी ही होगा। यह जिम्मेदारी देश के लोगों को लेनी होगी। ये बातें शनिवार को सेवापुरी सेवापुरी के गांव बनौली में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कही।पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया की अर्थव्यवस्था कई आशंकाओं से गुजर रही है। अस्थिरता का माहौल है। दुनिया के सभी देश अपने-अपने हितों पर ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं। भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अब भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना होगा। किसान, हमारे लघुउद्योग और रोजगार हमारे लिए सर्वोपरि हैं। सरकार इस दिशा में हर प्रयास कर रही है। देश के नागरिक के रूप में हमारे कई दायित्व हैं। इनमें से एक ये है कि हम स्वदेशी का संकल्प लें। अब हम कौन सी चीजों को खरीदेंगे, कौन से तराजू से तौलेंगे। अब हमें एक ही तराजू का होना होगा। हम भारतवासियों से ही पूरे सामान खरीदेंगे। भारत के कौशल और भारतवासियों के पसीने से बनी हुई चीजें ही स्वदेशी हैं। पीएम ने कहा कि हम संकल्प लें कि हम मेक इन इंडिया को ही बढ़ावा देंगे। हमारे घर में जो भी नया सामान आएगा वह स्वदेश ही होगा। दुकानदार संकल्प लें कि हम सिर्फ स्वदेशी माल ही बेचेंगे। दिवाली आएगी त्योहारों में हर पल स्वदेशी ही खरीदेंगे। पीएम ने कहा कि भारत में ही शादी करें, स्वदेशी का भाव भविष्य तय करेगा और यह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र में करीब साढ़े तीन घंटे तक रहे। यहां आयोजित जनसभा में उन्होंने किसानों, खिलाड़ियों सहित सेना के जवानों की वीरगाथा का जिक्र किया। उन्होंने विपक्ष पर भी सियासी तंज किया।सेवापुरी के बनौली गांव में आयोजित जनसभा में पीएम मोदी ने नम- पार्वती पतये हर-हर महादेव बोलकर अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने भोजपुरी में कहा कि सावन के पावन महीने में आज हमके काशी के हमरे परिवार के लोगन से मिले के अवसर मिलल हौ। हम काशी के हर परिवारजन के प्रणाम करत हई। उन्होंने इस दौरान 52 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने खासतौर से ऑपरेशन सिंदूर और किसानों की मेहनत व उनकी परियोजनाओं का जिक्र किया। ऑपरेशन सिंदूर बाबा और मां की कृपा से पूरा हुआ पहलगाम हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर महादेव और मां गंगा के आशीर्वाद से ही सफल हो पाया है। मैंने अपनी बहनों के सिंदूर का बदला ले लिया, जो कहा था वह किया।यादव बंधुओं के जलाभिषेक का जिक्र- सावन के महीने में बाबा विश्वनाथ का यादव बंधुओं ने किया जिस प्रकार से जलाभिषेक किया वह काफी विहंगम दृश्य था। वर्षों से आ रही इस परंपरा का निर्वहन सिर्फ काशी में ही देखने का मिल सकता है। काशी में अब तक लाखों भक्तों ने बाबा का विश्वनाथ किया। मंदिर और स्थानीय प्रशासन इस परम पावन कार्य में भगवान शिव और मां गंगा के भक्तों का सहयोग करती रहे। देश के 9.70 करोड़ किसानों को मिला लाभ- पीएम मोदी काशी से दूसरी बार देश के 9.70 करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी किया। इस बार 20,500 करोड़ रुपये की धनराशि किसानों के खाते में भेजी गई। इसका लाभ काशी के 2.21 लाख किसानों को भी मिला। इससे पहले उन्होंने 18 जून 2024 को 9.26 करोड़ किसानों के खाते में सम्मान निधि भेजी थी। जल जीवन मिशन से होगा फायदा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें मुख्य रूप से 269.10 करोड़ फोरलेन वाराणसी-भदोही मार्ग है। उन्होंने बताया कि इससे प्रयागराज समेत पूर्वांचल के जौनपुर, मिर्जापुर, मऊ, गाजीपुर, बलिया समेत कई जिलों में सफर आसान हो जाएगा। जल जीवन मिशन के तहत 47 ग्रामीण पेयजल योजनाओं का निर्माण 129.97 करोड़ रुपये से किया गया। तीसरी अर्थव्यवस्था पर जोर- पीएम ने कहा कि अब देशवासी सिर्फ भारत में ही बनी हुई चीजों का ही उपयोग और खरीदारी करने की आदत डाल लें। हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आज दुनिया की अर्थव्यवस्था कई आशंकाओं से गुजर रही है। अस्थिरता का माहौल है। दुनिया के देश भी अपने-अपने हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारतवासियों को चाहिए कि मेड इन इंडिया लिखे हुए सामानों की ही खरीदारी करे। गंगईकोंडा चोलपुरम की बताई गाथा- पीएम मोदी ने तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर का भी जिक्र किया। बताया कि यहां दक्षिण भारत के चोल काल की चिरस्थायी मूर्तियों का भंडार है। एक हजार साल पुराने इस ऐतिहासिक मंदिर में मैं गया था। ये मंदिर देश की शैव परंपरा का एक प्राचीन केंद्र है। ये मंदिर हमारे देश के महान प्रसिद्ध राजा राजेंद्र चोल ने बनवाया था। राजेंद्र चोल ने उत्तर भारत से गंगा जल मंगवाकर यहां चढ़ाया और उत्तर को दक्षिण जोड़ा था। हजार साल पहले अपनी शिवभक्ति और शैव परंपरा के जरिए राजेंद्र चोल ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत का उद्घोष किया था। आज काशी तमिल संगमम के जरिए मैं इस सोच को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा हूं। युवाओं को प्रतियोगिताओं से जोड़ने की अपील- पीएम मोदी ने काशी सांसद फोटोग्राफी प्रतियोगता, सांसद रोजगार मेला के बारे में बताते हुए कहा कि ऐसे कई आयोजन देशभर में होने वाले हैं। सरकार के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से उन्होंने अपील की कि वे इन प्रतियोगिताओं में जनभागिदारी बढ़ाएं। युवा पीढ़ी को जोड़ कर इन प्रतियोगिताओं का क्रियान्वयन करें। यूपी में बनेंगे सेना के हथियार- प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में मिसाईलें और सेना के हथियार बनाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जब से भाजपा सरकार आई है तब से यहां निवेशकों का आकर्षण बढ़ा रहा है। आने वाले दिनों में यूपी में ऐसी कई कल-कारखाने बनेंगे, जहां देशवासियों का हुनर दिखेगा। यहीं पर सेना के हथियार बनाए जाएंगे। इससे यूपी में और रोजगार बढ़ेगे। विपक्ष को भी लिया आड़े हाथ- पीएम मोदी ने अपने भाषण में विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा-कांग्रेस के लोग अक्सर कहते थे कि मोदी की योजनाएं एक दिन बंद हो जाएंगी। मैं काशी के मालिकों से पूछना चाहता हूं कि क्या भाजपा की कोई भी सरकारी योजना बंद हुई क्या? मोदी सरकार को लेकर सपा-कांग्रेस लगातार अफवाहें फैलाती रही। आज भी विपक्ष के लोग यही काम कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि आज बिना रुकावट के लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में पैसे भेजे जा रहे हैं। देवी-देवताओं को मंच से किया प्रणाम- काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में मैं अक्सर मां गंगा का जल लेकर बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक कराने के लिए सोचता हूं। मार्कंडेय बाबा के मंदिर में भी दर्शन के लिए सोचता हूं लेकिन मेरे जाने से अन्य भक्तों को दिक्कत हो जाएगी। इसलिए मैं यहीं से बाबा विश्वनाथ, मां गंगा और मार्कंडेय महादेव का प्रणाम करता हूं।वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2200 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने जनसभा को भोजपुरी में संबोधित किया। जिक्र किया।धानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जिले के सेवापुरी स्थित बनौली गांव में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भगवान महादेव के चरणों में समर्पित किया। उन्होंने कहा कि महादेव के आशीर्वाद से ही यह ऑपरेशन सफल हो सका है। भाषण के दौरान पीएम मोदी ने विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की जा रही अनर्गल बयानबाजी के खिलाफ तीखा हमला बोला।

54 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर से लेकर ब्रह्मोस का जिक्र, विपक्ष पर सियासी तंज

संक्षिप्त समाचार

दुश्मनों को उनके घर में घुसकर खत्म करने की क्षमता रखता है नया भारत, काशी में बोले सीएम योगी

काशी में पीएम मोदी की जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। पीएम के नेतृत्व में काशी को पिछले 11 वर्षों में एक नया आयाम मिला है।सीएम योगी ने कहा नया भारत दुश्मनों को उनके घर में घुसकर खत्म करने की क्षमता रखता है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की शक्ति का एहसास दुनिया को कराया। पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। पीएम के नेतृत्व में काशी को अब तक हजारों करोड़ की परियोजनाओं का उपहार मिला। किसान और दिव्यांगजन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दे रहे हैं।अन्नदाता किसानों की 11 वर्ष पहले क्या स्थिति थी, खेती से पलायन होता था, आत्महत्या करने के लिए विवश होते थे। आज हेत्थ कार्ड से लेकर प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, बीज को बाजार तक पहुंचाने के लिए एक इको सिस्टम जो 11 वर्षों में बनाया है। उससे उत्तर प्रदेश के अंदर इस बात को महसूस करते हैं, कि करोड़ों किसान सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ जुड़कर आत्मनिर्भर और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपना योगदान दे रहे हैं।सीएम योगी ने कहा कि पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के सामर्थ्य और शक्ति का अहसास किया है।

मैं राजा नहीं हूं, राजा बनना भी नहीं चाहता हूं, समर्थकों की नारेबाजी पर राहुल गांधी का जवाब

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि वह राजा नहीं बनना चाहते और इसकी अवधारणा के ही खिलाफ हैं। उन्होंने यह बात %संवैधानिक चुनौतियां- परिप्रेक्ष्य और रास्ते% नाम के एक दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही।संसद के निचले सदन यानी लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वार्षिक कानूनी सम्मेलन-2025 में कुछ ऐसा कह दिया, जिससे वहां मौजूद लोग तालियां बजाने से खुद को रोक नहीं पाए। दरअसल, कार्यक्रम में राहुल के संबोधन के दौरान समर्थकों और राहुल को चाहने वालों ने उनके लिए नारेबारी की। लोग चिल्ला रहे थे- %देश का राजा कैसा हो, राहुल गांधी जैसा हो%। इस पर राहुल ने कहा कि मैं राजा नहीं हूं। राजा बनना भी नहीं चाहता हूं। मैं राजा के कॉन्सेप्ट के खिलाफ हूं।जैसे ही राहुल गांधी ने अपना संबोधन शुरू किया, विज्ञान भवन हॉल में मौजूद दर्शकों ने %देश का राजा कैसा हो, राहुल गांधी जैसा हो% के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस पर राहुल गांधी ने जवाब दिया, %नहीं बॉस, मैं राजा नहीं हूं। राजा बनाना भी नहीं चाहता हूं। मैं राजा के खिलाफ हूं। अवधारणा के भी खिलाफ हूं।% राहुल पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर %राजा% शब्द का इस्तेमाल करते हुए उन पर जनता की आवाज न सुनने का आरोप लगा चुके हैं।

कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह बोले- डिंपल पर मौलाना रशीदी की टिप्पणी निंदनीय, अखिलेश यादव की चुप्पी चिंतनीय

कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि नारी के रूप वंदनीय और पूज्यनीय होते हैं। मौलानी साजिद रशीदी ने सपा सांसद डिंपल यादव पर जो टिप्पणी की है, वह बेहद निंदनीय है।उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने सपा सांसद डिंपल यादव पर की गई मौलाना साजिद रशीदी की टिप्पणी को शर्मनाक बताया। उन्होंने श्लोक सुनाते हुए कहा कि नारी का सम्मान होना चाहिए। नारी के जो रूप होते हैं, वह वंदनीय और पूज्यनीय हैं। उन्होंने कहा कि मौलानी साजिद रशीदी की टिप्पणी बहुत ही निंदनीय है। इस पर अखिलेश यादव चुप्पी नहीं तोड़ रहे हैं, यह और गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव मुस्लिम वोट बैंक के लिए कुछ भी कर सकते हैं। जो अपनी धर्मपत्नी के अपमान पर एक शब्द तक नहीं बोल पा रहे हैं, यह बहुत भी चिंतनीय है।ड्रोन के पीछे बताया षड्यंत्र

कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने बरेली के सर्किट हाउस में प्रेसवार्ता की। उन्होंने प्रदेश में ड्रोन को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों के पीछे षड्यंत्र बताया। कहा कि यह भ्रम और अफवाह फैलाई जा रही है। कानून व्यवस्था को लेकर पूछे गए सवाल पर धर्मपाल सिंह ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार में कानून नहीं था। गुंडई होती थी। आज उत्तर प्रदेश कानून व्यवस्था के मामले में उत्तम प्रदेश है। इसके चलते प्रदेश में सबके ज्यादा निवेश हुआ है। बरेली में भी फैक्टरियां लग रही हैं। जनता को भ्रमित कर रहा विपक्ष द्वारा लगातार ऑपरेशन सिंदूर का मुद्दा उठाया जा रहा है, इस सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि विपक्ष के पास जतना से जुड़े मुद्दे नहीं हैं। जनता को भ्रमित कर वोट लेना चाहता है। आज एक भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। भारत दुनिया में आर्थिक रूप से मजबूत पायदान पर खड़ा है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। बहुत जल्दी विकसित देशों की श्रेणी में आने वाला है।

मेरे पिता के स्वभाव में किसी को धमकाना नहीं था, राहुल गांधी के आरोपों पर रोहन जेटली ने दी सफाई

रोहन जेटली ने सोशल मीडिया पर लिखा कि राहुल गांधी दावा कर रहे हैं कि मेरे दिवंगत पिता अरुण जेटली ने उन्हें कृषि कानूनों को लेकर धमकाया था। मैं उन्हें याद दिला दूं कि मेरे पिता का देहांत 2019 में हुआ था।% पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के शीर्ष नेता रहे अरुण जेटली को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुछ आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी के आरोपों पर अब अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली ने प्रतिक्रिया दी है। रोहन जेटली ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि %राहुल गांधी का दावा है कि कृषि कानूनों को लेकर मेरे पिता ने उन्हें धमकाया, लेकिन कृषि कानून 2020 में लाए गए और 2019 में ही मेरे पिता का देहांत हो गया था।% वे आम सहमति बनाने में विश्वास रखते थे% रोहन जेटली ने सोशल मीडिया पर लिखा कि %राहुल गांधी दावा कर रहे हैं कि मेरे दिवंगत पिता अरुण जेटली ने उन्हें कृषि कानूनों को लेकर धमकाया था। मैं उन्हें याद दिला दूं कि मेरे पिता का देहांत 2019 में हुआ था। कृषि कानून 2020 में पेश किए गए थे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरे पिता के स्वभाव में किसी को भी धमकाना नहीं था। वह एक कट्टर लोकतांत्रिक व्यक्ति थे और हमेशा आम सहमति बनाने में विश्वास रखते थे। अगर कभी ऐसी स्थिति आती भी, जैसा कि राजनीति में अक्सर होता है, तो वह सभी के लिए एक पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान पर पहुंचने के लिए स्वतंत्र और खुली चर्चा का आह्वान करते थे। वह बस ऐसे ही थे और आज भी उनकी यही विरासत है।

संपादकीय Editorial

End of a stuck debate

The debate on 'Operation Sindoor' ended in the Lok Sabha. From Prime Minister Modi, Defense Minister Rajnath Singh, Home Minister Amit Shah to Leader of Opposition Rahul Gandhi, everyone put forth their views in the debate. MPs from smaller parties were also given a chance to put forth their views. Of course, the debate was extensive, but repetition continued. New questions and new suggestions were missing. The opposition remained stuck on the claims of ceasefire and President Trump's mediation. Whatever it said in Parliament, it was saying the same outside the Parliament as well. Then the meaning of the Parliament session…? Anyway, terrorism has been continuing in India since the 1990s. It was there even before that, but it was not so fierce and mass-destructive. In these decades, countless terrorist attacks have been carried out, but till date no government has been able to clarify how the terrorists entered the country and why they attacked? In fact, this could not have been told at all. If the intelligence agencies were so vigilant and had eagle-like eyes, then a destructive terrorist attack like 9/11 would not have been carried out in America. Hamas' murderous attack on Israel would not have happened and the 26/11 and train terror attacks in Mumbai would not have been successful. We have been facing failures of intelligence and security lapses and will probably face them in the future too. These cannot be guaranteed. Yes, some MPs like Priyanka Gandhi and Akhilesh Yadav did raise the question that not a single security personnel was deployed at that place in Pahalgam, where on an average 1000-1500 tourists visit every day! Whose responsibility is this? Has he been punished? What is the assurance for the future and what arrangements have been made for it? Even Prime Minister Modi could not give a clear answer to this question. Why the Defense Minister or the Home Minister did not answer, only they know. Home Minister Amit Shah had gone to take stock of the security arrangements in Kashmir two days before the incident and he had said that terrorism has been defeated. It is ending. It is surprising that why Home Minister Shah and Leader of Opposition Rahul Gandhi kept getting agitated in their speeches? It was meaningless to compare former Prime Minister Indira Gandhi and Prime Minister Modi. The Prime Minister of the country is not elected on the basis of 'courage or strength'. He should be assessed on the basis of the policies of his government. President Trump is the head of the world's largest economy and the most powerful country, America. Calling him a 'liar' in any parliament, by any Prime Minister, is against the established principles of diplomacy. However, Prime Minister Modi definitely said in the parliament that no country in the world asked to stop 'Operation Sindoor'. The opposition can understand. If they do not want to understand, the country will make them understand. Anyway, the ruling party and the opposition remained entangled in a stuck debate, so many questions remained unanswered. Prime Minister Modi gave a speech for 1 hour 42 minutes (102 minutes). This was his third longest statement. He also reiterated how 'Operation Sindoor' started and how the terrorist bases in every corner of Pakistan were destroyed. There was a repetition even in the ceasefire situations. Yes, the Prime Minister has put this fact on record in the Parliament by disclosing that Pakistan had tried to attack India with about 1000 missiles and drones on the night of 9 May, but our air defence system destroyed them in the sky. The issue was of 'Operation Sindoor' and terrorism, but Prime Minister Modi dragged it back to the Nehru and Indira era. He raised issues like Indus Water Treaty.

Congratulations to the Sarsanghchalak!..What will the new contractors of Hindutva do now?

RSS Sarsanghchalak Mohan Bhagwat met more than seventy clerics and Muslim intellectuals of the country. Shri Bhagwat had detailed discussions with all these groups and had tea. He understood their feelings. In this meeting, the atmosphere of religious tension being created by some groups of BJP in the country by targeting the Muslim community was discussed. In the three-hour meeting between Shri Bhagwat and these groups, the Sarsanghchalak understood the pain and role of Muslim intellectuals. But, will this attempt of RSS to get closer to the Muslim community be liked by the new contractors of Hindutva in BJP? Especially, the neo-Hindutvaists of BJP in Uttar Pradesh, Assam, Maharashtra and Delhi, who have recently created a ruckus in the name of Hindutva, will not like this step of the Sarsanghchalak. The new cleric in the Maharashtra cabinet, Nitesh Rane, must have been shocked by this attitude of Bhagwat and due to this, minister Rane will resign. Because in view of the venom that this gentleman has spewed against Muslims in the last few days, the current stance of the Sarsanghchalak will not be acceptable to such groups. These people were at the forefront of creating Hindu-Muslim divisions by 'targeting' Muslims for political gains, provoking Hindu society to create 'differences' and giving slogans like 'If divided, they will be cut off', 'If we are one, we will be safe' during the assembly elections. All of them should keep one thing in mind that in the last three months in Maharashtra, 700 farmers including Santosh Deshmukh, Mahadev Munde, Harshal Patil have lost their lives. This was not done by Muslims, but by those hypocrites who consider themselves great Hindutvawadis. The Modi government is responsible for whatever is happening in India at this time. There was a terrorist attack on tourists in Pahalgam. The lives of 26 women were destroyed. This murder was committed by Pakistanis, but the Hindutva Home Minister Amit Shah has not yet been able to catch the killers of 26 innocent people. Prime Minister Modi is in a state of Samadhi and has maintained silence on all this. The government itself kills Hindus and then escapes by saying 'If we divide, we will be cut' etc. This same group is amending the Wakf Board Act. Muslim leaders are also unhappy with this. BJP wants to sell the valuable lands of the Wakf Board to its industrialist friends. If this happens, then another mask of BJP's conspiracy will be removed. Some fake Hindutvawadis of Maharashtra went to a temple in Guwahati and slaughtered buffaloes. There is no mention of such rituals in Hinduism. There may be thousands of flaws in Hinduism, but the thinkers and reformers who attacked those flaws have emerged from this society. Their continuous attacks were successful in breaking the structure of the evils prevalent in Hinduism. Even today casteism, superstitions and rituals are followed. Narendra Dabholkar, Govind Pansare and Prof. Kalburgi, who opposed this, were murdered by ritualists. Therefore, it is in the national interest to eradicate the fanaticism prevalent in all religions and societies. Today's Hindutvaites have started considering the mortal man Narendra Modi as the incarnation of God, Vishnu. This is also a form of ritualism. And then, these incarnations of Vishnu wake up every day and tell lies and the devotees clap on those lies. This kind of Hindutva is dangerous and anti-national. By deciding that only we will live in India and people of other religions do not even have the right to 'vote', the names of Muslims, Christians and Dalits are being removed first from Maharashtra and now from Bihar. This should be the real subject of reflection among Sarsanghchalak Bhagwat and Muslim intellectuals. The participation of the Muslim community in India's freedom struggle and nation building was important. When Muslims participated in the revolution and became martyrs, today's 'BJP' was not born. Muslim soldiers sacrificed in every war with Pakistan. 16 Indian citizens of Poonch and Rajouri were killed in the attack carried out by Pakistan during 'Operation Sindoor'. They were also Muslims. If the names of Hamid Dalwai and Yusuf Meher Ali have not reached the ears of the new Hindutva contractors of Maharashtra, then they should clean their ears. Shahir Amar Sheikh's challenge in the Samyukta Maharashtra struggle is still echoing in every corner of Maharashtra, but some people want to ignite political fire by distorting Hindutva. This role of the Sarsanghchalak has set fire to his side. The DNA of Hindus and Muslims of Hindustan is the same. Therefore, both communities need to work together. We are all in the same boat. If the boat sinks, everyone will sink, the role of the Sarsanghchalak is to build the nation. For this, he cannot be welcomed enough!

Kanwar, Kanwariyas and religion

Religion and spiritual peace complement each other. What is the point of commotion here? At that time a question arose in my mind that the oldest religion of the world should also have the highest discipline. Why is it not so? Thousands of years old history of Hindu religion and Hindustaniyat… Scene one. Place- Modi Nagar, District- Ghaziabad. The procession of Kanwar has stopped for a few moments. A crowd of hundreds of people surrounds a woman and her handicapped husband with thunderous applause and chanting of Har Har Mahadev. Reason? A rural woman Asha Devi has set out on the Kanwar Yatra carrying her handicapped husband Sachin on her back. Asha Devi believes that this will not only make her husband healthy, but he will also get a job. Her husband Sachin used to carry the Kanwar himself till last year, but due to an accident his spinal cord got damaged, due to which it has become difficult for him to walk. Scene three. Place- Lacchiwala in Dehradun district. A large number of Kanwariyas are camping here. The feeling of pilgrimage is wafting in the tents and camps in the Mughal garden of Baikunthi Bot. Tableaus of Kanha-Kanshi-bhajan-kirtan have been decorated. There is bhandaara at many places. Bhandara is going on. Some trucks have come and stopped here along with driving vehicles. There are big loud speakers on them. The drivers say loudly on the mike that if the brothers making the reel go in the middle, let us go ahead. Scene four. Location- Ghaziabad. In the streets of a market, some new-age kanwarias are looking at a shop called 'Lovely Sweets'. Apparently, the same shop has been designated for them, where they have to reach. Video recording is going on. In the middle of the road, the kanwarias take out 'angochhaa' from the bag and are given with my name and status written on it. Wouldn't it be good if suddenly your child gets lost somewhere and - just by searching for him - you automatically realize your path? Kanwar pilgrims, in fact, feel the same paths in this entire Kanwar Yatra. In which there are hopes of wishes being fulfilled. Some say that Maa has accepted the wish, so I have brought water from Haridwar on foot by chanting 'Bol Bam'. Some say - "I am offering water for the well-being of my family." Most of the devotees involved in this journey do not even know whether this is a part of religious ritual or social responsibility? Is it a trend or a religious tradition? Till the 1990s, this journey was very limited. But social media, mobile phones and videos uploaded on it encouraged it to such an extent that a large number of youth were attracted to it. Especially for the youth of the new generation, it became an enthusiastic group. This group is drawn not only by devotion but also by adventure, enthusiasm, selfie and group pressure. In this boiling of enthusiasm, it leaves behind discipline and social responsibility. Along with this religious journey, a part has to be prepared for noise pollution, traffic jams and arrangements like hospitals. For example, this time, for the Kanwar Yatra that started on July 8, everyone from bakeries-restaurants to the police-administration started preparations. At some places, roads were widened. Routes were diverted. In some markets, a special cleaning campaign was carried out. In Haridwar, the administration kept a special budget of Rs 4.50 crore for the Kanwariyas coming from many states including Uttar Pradesh-Bihar. The Delhi government arranged for tents and other things to serve 4.14 lakh Kanwariyas. But the question remains the same, when we move forward with a single focus on religion, then is discipline not required? If you want to get it changed in the document, or want it in edited form, then let us know. Ask the people living near the Kanwar Yatra route how they behave in the situation of their experience. Ask them how much is it justified to use sound or lathi to give the road a certificate of religious or social rights. How many people want their children to go to school, women to go to the market and an elderly member to be taken to the hospital amidst the crowd of Kanwariyas? In such a situation, if a Kanwar Yatri dies, he is also declared a dead man. Like what happened with Neeraj. Neeraj's death was an accident, but after that the propaganda started that he was going to God while chanting 'Bam-Bam' and became a 'martyr'. Remember, a martyr is one who is killed while fighting on the borders of the country, not someone who comes in front of a moving vehicle due to negligence and stubbornness. The purpose of making someone a martyr and decorating him with religious satisfaction is to strengthen faith through one death. For this, priests were shown with proper boards. The tricolor was shown and 15-20 Kanwariyas were guarded. The police folds their hands and asks to leave the way for the Kanwariyas. I see many people arguing that Kanwar Yatris are holy, but this 'Gadar' going on in their name is not a religious tradition. Both the police and the common people are considering this as hypocrisy. Every year lakhs of Kanwar pilgrims come out. Some come in groups, some come alone. Some come in the customary police convoy, some come in the car-hitting convoy. But it is also worth noting that the administration gets the most money in this religious work. The administrative machinery is used to manage this fair of religion and faith. According to past experiences, police officers say that 'inexperienced' youth are becoming a part of the Kanwar Yatra. While making efforts to provide security to the Kanwar Yatra at the officials' level, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath has also given a statement that the Kanwar Yatra is not a 'religious event'. It is not a 'Mik Mela'. The youth who participate in it are less religious and more full of thrilling feelings. In many videos, Kanwariyas are seen being beaten up by police batons in public, and the roads leading to hospitals are blocked due to traffic disruption. Something similar is often seen in many parts of the country including North India and other areas of Uttarakhand. Every year, lakhs of Kanwar pilgrims return with water from Haridwar. There are many devotees among them who perform the Kanwar Yatra with full devotion and faith. They neither dance to loud DJ music nor create a ruckus. But most of them are not visible. Their faces are not visible in the crowd. Many times, lathis are raised on them under the pretext of the crowd, because calm devotees like them prove to be 'weak' and 'less popular' in this entire gathering. If religious pilgrimages are taken forward based on the virtue of discipline that has been described by gurus and scriptures in Hinduism, then it can teach a lot. For the entire community as well as for the individual himself. But if an undisciplined religious crowd takes to the streets, then questions will surely arise: why should religion and rules be considered separate?

गांव में मचा था ड्रोन वाले चोर का शोर... पत्नी की हत्या कर लिया चोरों का नाम

मुरादाबाद। मझोला थाना क्षेत्र के मलकद्दा गांव में गुरुवार की देर रात लगभग एक बजे ड्रोन वाले चोर के शोर के बीच पति ने अपनी पत्नी की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद पति ने शोर मचा दिया कि चार बदमाश उसके घर में घुसे और पत्नी की हत्या कर भाग गए। शक के घेरे में आए पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने गुनाह कबूल लिया है। बताया कि सहीमा उसकी पहली पत्नी से पैदा बेटी के बारे में बुरा भला कह उन्हें बदनाम कर रही थी। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि थाना मझोला के चौधरपुर मलकद्दा निवासी नजरुद्दीन ने छह साल पहले बिहार के शिव हर के चमनपुर चौक निवासी मोहम्मद जुनैल की बेटी सहीमा से दूसरी शादी की थी। नजरुद्दीन की पहली पत्नी से चार बेटे और चार बेटियां हैं। जिसमें दो बेटे और तीन बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि सहीमा से भी एक बेटी उमेरा है। नजरुद्दीन के मकान की ऊपरी मंजिल पर नजरुद्दीन की पहली पत्नी के बेटे और बेटी रहती है। जबकि नीचे सहीमा और उसकी बेटी उमेरा रहती है। गुरुवार की देर रात तीन बजे नजरुद्दीन ने शोर मचाया कि चार बदमाश उसके घर में आए और पत्नी सहीमा की गला घोंटकर हत्या कर लूटपाट करने के बाद भाग गए। घटना की जानकारी मिलते ही मझोला थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और फोरेंसिक टीम भी बुला ली। पुलिस ने आस पड़ोस के लोगों से पूछताछ की और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली, लेकिन किसी भी कैमरे में कोई आता जाता दिखाई नहीं दिया। इसकी जानकारी मिलने पर महिला के मायके वाले भी आ गए। उन्होंने पति पर ही शक जताया। इसके बाद पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ की तो वह टूट गया और अपना जुर्म कबूल लिया। महिला की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया है। बेटी को लेकर कर रही थी आपत्तिजनक बातें इसलिए रची साजिश- आरोपी ने बताया कि सहीमा उसकी अविवाहित बेटी को लेकर आपत्तिजनक बातें गांव में फैला रही थी। जिससे उसकी बहुत बदनामी हो रही थी। तब उसने साजिश रची कि गांव में रोज चोर और बदमाश आने का शोर मच रहा है। पत्नी की हत्या कर मैं भी शोर मचा दूंगा कि चोर आए और उसकी पत्नी की हत्या करने के बाद भाग गए। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर सहीमा की हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है। उसने पूछताछ में हत्या किए जाने की बात कबूल कर ली है। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

भाजपा पार्षद के भाई और भतीजे ने पीट-पीटकर की युवक की हत्या

मुरादाबाद। कटघर थाना क्षेत्र के होलिका मैदान के पास शुक्रवार की देर रात विवाद के बाद भाजपा पार्षद के भाई और भतीजे ने एक युवक की लोहे की रॉड और डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपी मौके से फरार हो गए। वारदात के बाद दोनों में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने शव को कब्जे आरोपियों की तलाश शुरू कर भेज दिया है और 11 बजे की बताई जा रही है। दी है। घटना रात करीब 20 वर्षीय देव ठाकुर निवासी मृतक युवक की पहचान बाड़ी कटघर के रूप में हुई। होली का मैदान गुलाब हरिद्वार में रेलवे स्टेशन की देव ठाकुर इस समय उसकी मां गंभीर बीमारी से कैंटीन में काम करता था। एम्स में भर्ती हैं। मां के इलाज पीड़ित हैं और ऋषिकेश जुटाने देव ठाकुर मुरादाबाद आया के लिए आर्थिक मदद अपने हिस्से का पैतृक मकान था। इसी क्रम में उसने जिस पर उसके चाचा श्याम बेचने की कोशिश की, सिंह और ताऊ मुनमुन से विवाद चल रहा था। शुक्रवार रात इसी विवाद के दौरान शोर-शराबा सुनकर पड़ोस में रहने वाले भाजपा पार्षद कुलदीप नारायण के भाई हरिओम सिंह (रेलवे का रिटायर्ड कर्मचारी) और उसका बेटा मोनू बाहर आ गए। परिजनों के अनुसार दोनों ने विवाद में हस्तक्षेप करते हुए श्याम सिंह का पक्ष लिया और देव ठाकुर पर हमला कर दिया। लोहे की रॉड का वार सीने पर लगने से देव ठाकुर की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि देव के पिता गोविंद सिंह और भाई विष्णु ठाकुर की पहले ही मौत हो चुकी है। अब घर में उसकी मां ही बची हैं, जिनका इलाज ऋषिकेश एम्स में चल रहा है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बोले- भाजपा कार्यकर्ताओं की सुरक्षा तक नहीं कर पा रही सरकार

मुरादाबाद। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय शुक्रवार को मुरादाबाद पहुंचे। उन्होंने आत्महत्या करने वाले चेतन सैनी के परिजनों से मुलाकात कर गहरा शोक व्यक्त किया। अजय राय ने परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया और कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। परिजनों से भेंट के बाद मीडिया से बातचीत में अजय राय ने प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लिया। कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल साबित हुई है। पार्टी अपने ही कार्यकर्ताओं की हत्या करवा रही है और उनकी सुरक्षा तक नहीं कर पा रही। जब भाजपा अपने कार्यकर्ताओं की मदद नहीं कर पा रही तो आम जनता की मदद कैसे करेगी। अजय राय ने चेतन सैनी की मौत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सड़क से सदन तक आवाज उठाएगी। इस दौरान जिलाध्यक्ष विनोद गुंबर, महानगर हाजी जुनैद इकराम, प्रवक्ता सुधीर पाठक समेत अन्य कांग्रेसी शामिल रहे।

गैंगस्टर महेश यादव और इंद्रपाल की 52.51 लाख की संपत्ति कुर्क

मुरादाबाद। नागफनी थाना पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र में हुए बहुचर्चित छोटे लाल उर्फ कलुआ हत्याकांड के आरोपी गैंगस्टर इंद्रपाल उर्फ इंदू और महेश यादव के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई की है। शुक्रवार को पुलिस ने कुल 52 लाख 51 हजार 227 रुपये की संपत्ति कुर्क की। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कटरापुरन जाट निवासी हिस्ट्रीशीटर छोटे लाल प्रजापति उर्फ कलुआ (56) की बीती 25 अक्तूबर 2022 को दिवाली वाली रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके बेटे हैप्पी का जुआं खेलने के दौरान कंजरी सराय निवासी कुछ लोगों से विवाद हुआ था, जिसके बाद आरोपियों ने उसके पिता की हत्या की थी। इस मामले में पुलिस ने कंजरी सराय निवासी हत्यारोपी इंद्रपाल उर्फ इंदू, उसके साथी कचरा पूरन जाट खपरैल की सराय निवासी सोनू उर्फ मनीष अरोड़ा और महेश यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि बीती 9 सितंबर 2024 को इस मामले में कोतवाली के तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक जसपाल सिंह ग्वाल की ओर से तीनों आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। जिसकी विवेचना थाना नागफनी प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार द्वारा की जा रही है। आरोपी इंद्रपाल उर्फ इंदू के खिलाफ 10 और महेश यादव के खिलाफ 5 मुकदमें दर्ज थे। विवेचनात्मक कार्रवाई के बाद प्रभारी निरीक्षक ने आरोपियों की संपत्ति जब्त करने के लिए रिपोर्ट डीएम के पास भेजी थी। जहां से बीते दिनों संपत्ति जब्त करने का आदेश हुआ। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार और नायब तहसीलदार अंकित गिरी की टीम ने दोनों की अलग-अलग जगह स्थित संपत्ति कुर्क की। कार्रवाई से गिरोहबंद अपराध करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। जब्तीकरण के बाद सभी जगह लगवा दिया बोर्ड इन्द्रपाल उर्फ इंदू का सिविल लाइंस के आकाश ग्रीन स्थित 4.90 लाख का एक फ्लैट, मझोला के शाहपुर तिगरी स्थित 7025 वर्ग मीटर का 7.93 लाख रुपये कीमत का प्लाट, और लगभग 25 हजार रुपये कीमत की एक्टिवा स्कूटी जब्त की गई। इसी तरह महेश यादव का हरथला मंगला बाजार स्थित 140 वर्ग मीटर में बना लगभग 13.94 लाख रुपये कीमत का मकान, 25.20 लाख रुपये की भूमि और 28 हजार रुपये कीमत की स्कूटी कुर्क की गई। जब्तीकरण के बाद सभी जगह पुलिस ने बोर्ड भी लगवा दिया है।

ग्राम पंचायतों में 4 वर्षों में 99 से अधिक प्रधान-सचिव डकार गए 9.91 करोड़ से ज्यादा धनराशि

मुरादाबाद। पंचायत राज विभाग की करोड़ों रुपये की पंचायत निधि में बड़े पैमाने पर गबन का मामला सामने आया है। जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं और सार्वजनिक कार्यों के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग कर भारी वित्तीय अनियमितताएं की गईं। जिला लेखा परीक्षा अधिकारी के ऑडिटमें 134 गांव के विकास कार्य में फजी बिल वाउचर पकड़ में आने के बाद 9 करोड़ 91 लाख 18467 रुपये के गबन की पुष्टि हुई है। ऑडिट के दौरान 2016-17 से लेकर 2019-20 तक के 99 से अधिक ग्राम प्रधान और सचिवों की गबन में संलिप्तता पाई गई है।वित्तीय वर्ष 2016-17- मुरादाबाद में वित्तीय वर्ष 2016-17 में छजलैट ब्लॉक में 4 ग्राम पंचायत में 2,63,375, मुरादाबाद ब्लॉक के 6 ग्राम पंचायतों में 1,00,19,870, बिलारी ब्लॉक के 3 ग्राम पंचायतों में 92,900, मूंढापांडे ब्लॉक में 3 ग्राम पंचायतों में 4,04,826, भगतपुर टांडा ब्लॉक में 2 ग्राम पंचायतों में 1,11,702 और ठाकुरद्वारा ब्लॉक में 4 ग्राम पंचायतों में 64,127 रुपये सहित कुल 1,09,56,800 करोड़ रुपये गलत तरीके से निकाला गया। वित्तीय वर्ष 2017-18- वित्तीय वर्ष 2017-18 में छजलैट ब्लॉक में दो ग्राम पंचायत में 3,04,076, मुरादाबाद ब्लॉक के 6 ग्राम पंचायतों में 44,09,103, डिलारी ब्लॉक के 6 ग्राम पंचायतों में 16,60,833, बिलारी ब्लॉक के 5 ग्राम पंचायतों में 49,25,638, कुंदरकी ब्लॉक में 5 ग्राम पंचायतों में 7,15,4352, मूंढापांडे ब्लॉक के 3 ग्राम पंचायतों में 2,55,501, भगतपुर टांडा ब्लॉक में 5 ग्राम पंचायतों में 18,64,053 और ठाकुरद्वारा ब्लॉक में 6 ग्राम पंचायतों में 20,91,326 रुपया सहित कुल 2,26,64, 882 रुपये का गबन कर लिया गया। वित्तीय वर्ष 2018-19- वित्तीय वर्ष 2018-19 में छजलैट ब्लॉक के 4 ग्राम पंचायत में 80,53,621, मुरादाबाद ब्लॉक के 2 ग्राम पंचायतों में 83,51,558, डिलारी ब्लॉक के 3 ग्राम पंचायतों में 39,89,999, बिलारी ब्लॉक के 6 ग्राम पंचायतों में 98,02,174, कुंदरकी ब्लॉक में 5 ग्राम पंचायतों में 75,79,907, मूंढापांडे ब्लॉक में 7 ग्राम पंचायतों में 54,06,136, भगतपुर टांडा ब्लॉक में 3 ग्राम पंचायतों में 44,99,948 और ठाकुरद्वारा ब्लॉक में 7 ग्राम पंचायतों में 22,71,299 रुपया समेत कुल 4,99,54,642 रुपये गलत तरीके से निकालने की पुष्टि जांच में हुई। वित्तीय वर्ष 2019-20-वित्तीय वर्ष 2019-20 में छजलैट ब्लॉक के 4 ग्राम पंचायत में 24,34,530, मुरादाबाद ब्लॉक के 2 ग्राम पंचायतों में 1,32,866, डिलारी ब्लॉक के 1 ग्राम पंचायतों में 2,41,990, बिलारी ब्लॉक के 9 ग्राम पंचायतों में 1,29,62,973, कुंदरकी ब्लॉक में 5 ग्राम पंचायतों में 38,17,952, मूंढापांडे ब्लॉक में 3 ग्राम पंचायतों में 2,55,501, भगतपुर टांडा ब्लॉक में 1 ग्राम पंचायतों में 5712408 और ठाकुरद्वारा ब्लॉक में 2 ग्राम पंचायतों में 487831 रुपया जो कुल रकम 15542143 करोड़ रुपये को गलत तरीके से निकाला गया है। नोटिस जारी, संपत्ति से होगी सरकारी नुकसान की भरपाई- जिला पंचायत राज आलोक शर्मा का कहना है कि अधिकारी वित्तीय वर्ष 2016-17, 2017-18, 2018-19 में ग्राम पंचायतों में खर्च की गई धनराशि के बिल वाउचर जिला लेखा परीक्षा अधिकारी के ऑडिट में फर्जी पाए गए। जिससे चार वित्तीय वर्षों में लगभग 9.91 करोड़ की धनराशि का गबन का मामला खुला। तभी से इस मामले में संबंधित ग्राम प्रधानों और सचिवों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अधिकांश ने अब तक धनराशि जमा नहीं की और न ही सही बिल वाउचर लगाए। ऐसे में अब राजस्व वसूली प्रमाण-पत्र (आरसी) जारी कर उनकी संपत्ति से वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सोने जैसी विरासत पर साहित्य की सुगंध... जानिए मुरादाबाद के साहित्सकारों की अनसुना इतिहास

पीतलनगरी, मुरादाबाद में साहित्य सृजन दस्तावेजी होने के साथ रखता है अलग पहचान

मुरादाबाद। मुगल सम्राट शाहजहां के शासनकाल में सूबेदार

रुस्तम खां द्वारा शहजादा मुराद के नाम से बसाया गया मुरादाबाद यूं तो देश-दुनिया में पीतलनगरी के रूप में प्रसिद्ध है, लेकिन यहां के साहित्यकारों के लेखन से भी शहर की पहचान तथा ख्याति समृद्ध रही है, चाहे वह हिन्दी साहित्य का क्षेत्र हो या उर्दू अदब की दुनिया। दोनों ही भाषाओं में महत्वपूर्ण साहित्य-सृजन दस्तावेजी तो रहा ही है, अपनी एक अलग पहचान भी रखता है। साहित्यिक क्षेत्र में माहेश्वर तिवारी के नाम का पर्याय रहे मुरादाबाद ने जहां एक ओर लाला शालिगराम वैश्य, स्वरूप चन्द्र जैन, पं. बलबीर प्रसाद मिश्र, पं. ज्वालादत्त शर्मा, पं.पुरुषोत्तम व्यास, ज्वाला प्रसाद मिश्र, दुर्गादत्त त्रिपाठी, अम्बालाल नागर, कैलाश चन्द्र अग्रवाल 'अधीर', मदनमोहन व्यास, दयानन्द गुप्त, ललितमोहन भारद्वाज, सुरेन्द्रमोहन मिश्र, प्रो.महेन्द्र प्रताप, रामअवतार त्यागी, दुष्यंत कुमार, डॉ. कुंवर बेचैन, शचीन्द्र भटनागर, पुष्पेन्द्र वर्णवाल, दिग्गज मुरादाबादी, रामलाल अन्जाना, ब्रजभूषण सिंह गौतम अनुराग, राजेन्द्र मोहन शर्मा श्रृंग, विख्यात व्यंग्य कवि डॉ. मक्खन मुरादाबादी एवं हुल्लड़ मुरादाबादी जैसे महत्वपूर्ण रचनाकार हिन्दी साहित्य को दिए हैं। जिगर मुरादाबादी ने शायरी को दिया नया मुकाम... उर्दू साहित्य में मशहूर शायर जिगर मुरादाबादी के नाम से पहचाने जाने वाले अदबी शहर मुरादाबाद में गजल की यात्रा 17वीं शताब्दी में लाला नवलराय वफा की शायरी से शुरू होकर जकी मुरादाबादी, मदान अली खां राना, कमर मुरादाबादी, कैफ मुरादाबादी, सूफी अम्बा प्रसाद, किशन कुमार वकार, भगवत सरन मुमताज, काजी शौकत हुसैन, कियाफत अली काफी, गौहर उस्मानी, सतीश फिगार, शाहिद अहसन, सलीम कैफी, दिलकश आफरीदी, हैरत मुरादाबादी, शहाब मुरादाबादी, गगन भारती, जावेद रशीद आमिर, डॉ.मीना नकवी से होती हुई वर्तमान तक पहुंची है। विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रहीं साहित्य पर लिखी पुस्तकें

वर्तमान हिंदी साहित्यकारों में जहां हिन्दी के प्राध्यापक रहे डॉ. रामानन्द शर्मा द्वारा रीतिकालीन काव्य के सन्दर्भ में लिखी गयीं कई पुस्तकें विदेशों के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही हैं, वहीं शताधिक मौलिक कृतियां लिखने वाले डॉ. महेश दिवाकर एवं डॉ. राकेश चक्र सहित चारों वेदों का काव्यानुवाद करने वाले साहित्यकार डा. अजय अनुपम, बाल साहित्यकार राजीव सक्सेना, साहित्यकार अशोक विश्नोई, हिन्दी और अंग्रेजी में समानरूप से सृजन करने वाले कवि डॉ. आरसी शुक्ल, योगेन्द्र पाल सिंह विश्नोई, डॉ. प्रेमवती उपाध्याय, डॉ. पूनम बंसल, डॉ. अर्चना गुप्ता, वीरेन्द्र सिंह वृजवासी, श्रीकृष्ण शुक्ल व नई पीढ़ी के मयंक शर्मा, राजीव प्रखर, जितेन्द्र जौली, हेमा तिवारी भट्ट, मीनाक्षी ठाकुर, दुष्यंत बाबा, कमल शर्मा, ममता सिंह, कंचन खन्ना, प्रशांत मिश्र, अमर सक्सेना, अभिव्यक्ति सिन्हा, राघव गुप्ता भी मुरादाबाद के साहित्य को समृद्ध कर रहे हैं, तो मुरादाबाद के साहित्यिक इतिहास पर शोध करने वाले डॉ. मनोज रस्तोगी एनसाइक्लोपीडिया जैसे हैं। गजल की भी समृद्ध परंपरा ने भी प्रतिष्ठा व पहचान दी मुरादाबाद को गजल की समृद्ध परंपरा ने प्रतिष्ठा और पहचान दी है। मशहूर शायर मंसूर उस्मानी के सृजन से निरंतर पुष्ट हो रही गजल की खुशबूदार यात्रा मशहूर शायर ज़मीर दरवेश साहब, निजाम हातिफ, कमर कदीर इरम, अनवर कैफी, डॉ.कृष्ण कुमार नाज, ओमकार सिंह ओंकार, डॉ. मुजाहिद फराज, रिफत मुरादाबादी, कशिश वारसी, जिया जमीर तक की वरिष्ठ पीढ़ी और फरहत अली, नूररुज्जमा नूर, राहुल शर्मा, मनोज मनु, अंकित गुप्ता अंक, मोनिका मासूम, राशिद हुसैन, आरिफा मसूद अम्बर, सुल्तान अजहर, अहमद मुरादाबादी की नयी पीढ़ी तक आती है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सीएम योगी का बसंभावित दौरा, शहर वालों को 157 करोड़ से बना अर्बन हाट होगा समर्पित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के इसी महीने संभावित दौरे को देखते हुए उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण की जाने वाली योजनाओं की सूची नगर निगम बना रहा है। इसमें स्मार्ट सिटी के 157 करोड़ रुपये से बना अर्बन हाट सूची में शामिल है। इसके अलावा नगर निगम के 94 विकास कार्यों के लोकार्पण की सूची बनाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित दौरे को लेकर नगर निगम में हलचल बढ़ गई है। इन दिनों नगर निगम, स्मार्ट सिटी समेत विभिन्न विभागों के पूर्ण कार्यों की फाइलें तैयार की जा रही है, ताकि सीएम से उद्घाटन और शिलान्यास कराया जा सके। इसमें सबसे महत्वपूर्ण स्मार्ट सिटी के दो प्रोजेक्ट हैं। इसमें अर्बन हाट और स्काई वॉक बनकर तैयार है। इसके अलावा करीब 100 करोड़ के नगर निगम के विकास कार्यों का शिलान्यास कराने का खाका तैयार किया जा रहा है। इसमें सड़क, सीवरेज और लाइटिंग से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। इनकी फाइलें विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तैयार कर रहे हैं। वहीं 45.51 करोड़ की सीएम ग्रिड के फेज टू के कार्यों के शिलान्यास को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा कुछ अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण कराने की तैयारी विभाग कर रहा है। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि मुख्यमंत्री के संभावित दौरे की सूचना है। इसको लेकर नगर निगम अपनी तैयारी कर रहा है।

विदेशी युवती को चोर समझकर पीटने वाले चार युवक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। किला इलाके में चोरी के शक में एक युवती की पिटाई का वीडियो वायरल हुआ था। लड़की भीड़ के आगे गिड़गिड़ा रही थी, मगर भीड़ में शामिल युवकों ने उसकी एक नहीं सुनी और खूब मारा पीटा। अब हरकत में आई पुलिस ने मारपीट करने वाले चार युवकों को गिरफ्तार किया है। बाकी की तलाश की जा रही है। आपको बताते चलें कि यह पूरा मामला किला इलाके के मोहल्ला बारादरी का है, जहां रात के वक्त युवती घर की छत पर फोन से बात कर रही थी। तभी इलाके में चोर आने का शोर मच गया और युवती ने छत से छलांग लगा दी। गली में मौजूद लोगों ने लड़की को चोर समझकर पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर वीडियो वायरल कर दिया। एसपी सिटी मानुष पारिख ने बताया कि मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी और लड़की को भीड़ से छुड़ाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चार युवकों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक लड़की मूल रूप से नेपाल की रहने वाली है, वह नोएडा में रहकर काम कर रही है। अपने किसी काम के सिलसिले में इलाके में रहने वाले रेशम सिंह और विनय गंगवार के बुलाने पर बरेली आई थी। उन्हीं के मकान की छत पर फोन से बात कर रही थी तभी भीड़ ने उसे चोर समझ लिया।

योगी सरकार के दावों की हवा निकाल रही अफसरसाई, स्कूल जाने का रास्ता, तालाब में बदला, नहीं हो रही सुनवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली।सर भले ही दिल खोलकर आम-जन-मानस को शिक्षा -चिकित्सा की बेहतर सुविधाएं देने को वजट दे रहीं हैं। लेकिन स्थानीय प्रशासन उस पर पूरी तरह पलीता लगाने में जुटा है जिसका उदाहरण विकास खंड बिथरी चैनपुर राजकीय इंटर कॉलेज बालीपुर अहमदपुर में पंजीकृत 472 छात्र -छात्राएं पंजीकृत हैं। उनके जाने का रास्ता कच्चा है।रास्ते के बीच में कुंआ है । बारिश के चलते पूरा मार्ग तालाब में बदल गया है। कालेज में प्रधानाचार्य वेदप्रकाश गौतम के अलावा छह महिला शिक्षाएं एवं तीन पुरूष स्टाफ तैनात है।जिसे कालेज तक पहुंचने में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सीएम पोर्टल,से लेकर जिले के आलाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से स्कूल प्रशासन ने मार्ग दुरुस्त कराने की गुहार लगाई लेकिन किसी के कान पर जू तक नहीं रेगी।सभी को हादसों का इंतजार है। ग्रामीणों में भी बच्चों को कालेज पढ़ने भेजने में हर वक्त हादसे का खौफ बना रहता है।

मदर जुबैदा हायर सेकेंडरी स्कूल में राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम / इस रचनात्मक प्रतियोगिता में कक्षा 3 से लेकर कक्षा 6 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विविध प्रकार की रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियाँ बनाकर अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक भावना का परिचय दिया।कक्षा -3 से मेहराब प्रथम स्थान पर, स्नेहा दूसरे स्थान पर व हुमाम और अबूतरब तीसरे स्थान पर रहे द्य कक्षा- 4 से जितेंद्र, अरुण, वंशिका और उजैफा क्रमशः पहले , दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे 7 कक्षा -5 से फराज़ पहले, युविका दूसरे तथा श्रुति और सिदरा तीसरे स्थान पर रहे 7

कक्षा -6 से पहले स्थान पर देवेश, दूसरे स्थान पर दिशा तथा तीसरे स्थान पर कल्पना रहीं 7 प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय परंपराओं के प्रति प्रेम जागृत करना तथा उनके कला-कौशल को प्रोत्साहित करना था। इस प्रतियोगिता के दौरान मनीषा शर्मा, आयेशा,इल्का, तरुन्नुम आदि शिक्षिकायें मौजूद रहीं 7

अज्ञात व्यक्ति ने धार धार हतियार से किया हमला

क्यूँ न लिखूँ सच / बब्लू / न्यूरिया थाना क्षेत्र कि गांव ललपुरिया निवासी सुनीता देवी पत्नी पातिराम के किसी अज्ञात व्यक्ति ने धार धार हतियार से किया हमला महिला के हाथ मे आयी चोट गांव के प्रधान गंगा राम ने बतया कि उनके भतीजे कि पत्नी सुनीता देवी रात 12 बजे घर पर खाना पीना कर सोने के के लिए जा रही थी तभी कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कि नियत से घर मे घुस रहा था उन्होंने आवाज दी तब उस व्यक्ति ने धार धार किसी चीज से उन पर हमला कर दिया और उनके हाथ मे गंभीर चोटे आयी जिसे जिला अस्पताल इलाज के लिए लेगये थे इस घटना कि सूचना थाना पुलिस को दे दी गयी है थाना प्रभारी सुभाष मावी ने बतया कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है गांव मे पुलिस फ़ोर्स को भेजा है और घटना कि जांच कि जा रही है

कोविड अस्पताल के पीछे झाड़ियों में लावारिस खड़ी मिली एंबुलेंस

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शासन द्वारा जिले को भेजी गई नई 35 एंबुलेंस में से एक एंबुलेंस कोविड अस्पताल के पीछे झाड़ियों में लावारिस हालत में खड़ी मिली है। खास बात यह है कि इस एंबुलेंस को अभी तक आरटीओ से नंबर प्लेट भी नहीं मिली थी, लेकिन इससे पहले ही इसके आगे के दोनों पहिए और अंदर का सारा जरूरी सामान चोरी हो चुका है। झाड़ियों में खड़ी एंबुलेंस की हालत देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे वह कबाड़ हो गई हो। इसके अगले दोनों टायर, स्टेचर और अन्य जरूरी उपकरण गायब हैं। यह घटना बताती है कि शासन द्वारा आमजन के लिए भेजे गए संसाधनों की जमीन पर कितनी उपेक्षा हो रही है। अस्पताल प्रशासन की अनभिज्ञता चौंकाने वाली जब इस मामले में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. इंतजार हुसैन से सवाल किया गया, तो उन्होंने इसे अपने संज्ञान से बाहर बताया और कहा कि यदि मामला सही है तो उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। यह बयान दर्शाता है कि अस्पताल प्रशासन को खुद ही यह नहीं पता कि उनके अस्पताल परिसर में क्या हो रहा है। मरीजों को समय पर एंबुलेंस न मिलने की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। कई बार परिजन अपने मरीजों को चारपाई पर लादकर अस्पताल तक लाते हैं। शासन भले ही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के प्रयास कर रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। सूत्रों के अनुसार, अस्पताल परिसर में खड़ी अन्य एंबुलेंस से भी सामान चोरी होने की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन कोई रोकथाम नहीं की जा रही। यह स्पष्ट करता है कि अस्पताल प्रशासन की निगरानी व्यवस्था बेहद कमजोर है ।

गंदगी देखकर भड़के नगर आयुक्त, सफाई नायक और कर्मचारियों को लगाई फटकार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने शनिवार सुबह सीबीगंज स्थित सर्वोदय नगर कॉलोनी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कॉलोनी की सड़कों और नालियों में फैली गंदगी देख उनका पारा चढ़ गया। उन्होंने मौके पर मौजूद सफाई नायक और कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाई। करीब सुबह 10 बजे नगर आयुक्त सफाई व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने क्षेत्र में निकले थे। सर्वोदय नगर पहुंचते ही उन्होंने कॉलोनी में फैली गंदगी और अव्यवस्थित सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई। उन्होंने नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भानु प्रकाश को संबंधित सफाई नायक और कर्मचारियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में दोबारा ऐसी लापरवाही पाई गई तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कॉलोनी की जर्जर सड़कों पर भी नगर आयुक्त की नजर पड़ी। उन्होंने सड़कों की मरम्मत शीघ्र कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि कुछ सड़कों के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और शेष सड़कों का निर्माण कार्य भी जल्द शुरू होगा। नगर निगम का प्रयास है कि कॉलोनी की सभी सड़कों को शीघ्र नया बनाया जाए।

कब तक बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेंगे बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / अमरिया क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्रों में बगैर मान्यता के स्कूल बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, जिस पर शिक्षा विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। इन स्कूलों की मान्यता कक्षा पांच और कक्षा आठ तक की है, लेकिन वह हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की कक्षाएं लगा रहे हैं। बच्चों के अभिभावकों से मोटी रकम वसूल रहे हैं। शिक्षा विभाग कुछ दिन खानापूर्ति करने के बाद शांत बैठ जाता है। इसके बाद स्कूल संचालक फिर से बच्चों के साथ खिलवाड़ करते हैं। क्यूं ना लिखू सच की पडताल में विकासखंड अमरिया क्षेत्र के अधिकतर विधालय बगैर मान्यता के संचालित होते पाए गये। इनमें ज्यादातर विधालयों का हाल ये हैं की उक्त विधालयों में मानकों के अनुरूप भी सुविधाएं नही हैं। फायर सेफ्टी से लेकर विधालयों के भवन भी जर्जर हालात में है, शौचालयों एवं प्रकाश की भी समुचित व्यवस्था नही है। एक ही कक्ष में नौवीं दशवीं, ग्यारहवीं और वारहवीं की कक्षाएं संचालित की जा रही है। वही कुछ विधालयों की तो प्राथमिक तक की भी मान्यता नहीं है,और संचालक मान्यता के आवेदन को ही मान्यता समझ कर कक्षाएं संचालित कर रहे हैं। डीएसआरए कॉन्वेंट स्कूल डांग, गरीब नवाज अकैडमी हर्रायपुर में कक्षा पांच तक की भी मान्यता नहीं है। वही स्वामी विवेकानंद जूनियर हाई स्कूल जिठानियां और सावन कृपाल दिव्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय दयूरनिया के पास

सिर्फ कक्षा 8 तक की ही मानता है लेकिन इसके बावजूद भी दोनों विद्यालय हाईस्कूल व इंटर कक्षाएं संचालित कर रहे हैं। इन विधालयों के प्रबंधकों से जानकारी ली गई तो बताया गया की विधालय कक्षा आठ तक संचालित है लेकिन विधालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने बताया कि वह 10वीं और 12वीं कक्षा में अध्यनरत है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को प्रशासन की ओर से आदेश दिए गए थे कि इन स्कूलों को निर्देश जारी कर यथासंभव कार्रवाई करें। अब विभाग ने कुछ विधालयों को नोटिस तो जारी कर दिए, लेकिन किसी भी स्कूल पर कोई कार्रवाई नहीं कि गई हैं। खंड शिक्षा अधिकारी अमरिया उमेंद्र दत्त त्रिपाठी ने बताया की जिन विद्यालयों के पास मान्यता हीं है उनके खिलाफ विभाग द्वारा नोटिस जारी किया गया है। वही डांग में संचालित डीएसआरए कॉन्वेंट स्कूल मैं अभी तक मान्यता के लिए आवेदन नहीं किया है विभाग उनके खिलाफ नोटिस जारी कर रहा है। जांच के बाद आवश्यक कार्यवाही की जाएगी?।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली की सड़कों पर यातायात व्यवस्था, एक बार फिर से रूट डायवर्जन लागू

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कांवड़ यात्रा के चलते एक माह से चल रहा नेशनल और स्टेट हाईवे पर रोडवेज बसों व भारी वाहनों का डायवर्जन सोमवार रात से खत्म हो जाएगा। सावन का चौथा और अंतिम सोमवार चार अगस्त को है। इससे पहले शुक्रवार रात आठ बजे से सोमवार रात 10 बजे तक एक बार फिर से डायवर्जन लागू कर दिया गया है। इस दौरान रोडवेज बसें और भारी वाहन शहर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। दिल्ली, आगरा, लखनऊ, पीलीभीत रूट की रोडवेज बसों को भी परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। बरेली से बदायूं, नैनीताल, दिल्ली, पीलीभीत और लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों और रोडवेज बसों को डायवर्ट किया गया है। डायवर्जन खत्म होने के बाद रोडवेज बसों का संचालन सामान्य होने से ट्रेनों पर दबाव कम होगा। डायवर्जन के कारण कई रूटों पर रोडवेज बसों के किराये में की गई वृद्धि भी वापस हो जाएगी।

जिले में 127 स्कूल एक किमी से ज्यादा दूरी पर विलय किए , गणना शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के बयान के बाद एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर विलय किए गए स्कूलों की गणना शुरू हो गई है। इसके लिए किसी लेखपाल या गूगल मैप की सहायता नहीं बल्कि शिक्षक मोटरसाइकिल से दूरी नाप रहे हैं। गांव के आखिरी घर से जिस स्कूल में विद्यालय का विलय हुआ है उसकी दूरी एक किलोमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसी माध्यम से भदपुरा में 18 में से आठ तो बिथरी चैनपुर में 16 में से आठ विद्यालय एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर विलय पाए गए हैं। वहीं जिले में 617 विद्यालयों में से 127 विद्यालय एक किलो मीटर से अधिक दूरी पर पाए गए हैं, जिन्हें अगले आदेश के बाद अनपेयर किया जा सकता है। वहीं शिक्षा विभाग सूचना तैयार करने के बाद बीएसए के आदेश का इंतजार कर रहा है। इस मामले में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नरेश गंगवार का कहना है कि किसी भी स्कूल का विलय नहीं होना चाहिए, क्योंकि ये युवाओं के भविष्य, नौकरी का भी सवाल है। राष्ट्रीय शिक्षक संघ की जितेंद्र गंगवार का कहना है स्कूल विलय करने के बजाए पुराने स्कूलों में संसाधनों पर ध्यान देना चाहिए, जो होना निश्चित है।

चोर समझकर खंबे से बांधकर पीटने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / हाफिजगंज। थाना हाफिजगंज के गांव उदरनपुर में शुक्रवार की रात को मढ़ीनाथ के रोहित कश्यप को चोर समझकर उसे खंबे से बांधकर पीटने वाले पांच आरोपियों को थाना हाफिजगंज पुलिस ने हिरासत में ले कर एसडीएम कोर्ट नवाबगंज में पेश किया। हालांकि कोर्ट ने पांचों आरोपियों को जमानत पर रिहा कर दिया।अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी है।

कांग्रेस पार्टी ने नैनी के सभी पन्द्रह वार्डों एवम् मंडल अध्यक्षों की समीक्षा बैठक किया-ी अनिल कुमार श्रीवास्तव

क्यूँ न लिखूँ सच / नैनी-2/8/2025 कांग्रेस पार्टी ने यमुनापार नगर निगम के सभी पन्द्रह वार्ड, ब्लाक एवम् मण्डल के अध्यक्षों की संयुक्त बैठक कांग्रेस पार्टी कार्यालय काटन मिल तिराहा पर सम्पन्न हुई द्य जिसमें मुख्य अतिथि प्रयागराज के जोनल प्रभारी श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव शामिल हुए द्य बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष फू जैल हाशमी एवम् संचालन महानगर महासचिव राकेश श्रीवास्तव ने किया द्य जोनल प्रभारी अनिल श्रीवास्तव जी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वार्ड संगठन बनायेगी से लेकर बूथ स्तर तक ब्लाक प्रभारी की होगी जिसकी जिम्मेदारी और कांग्रेस पार्टी विधान सभा 2027 का चुनाव मजबूती से लड़ेगी और सरकार भी बनायेगी द्य सह प्रभारी प्रयागराज श्री राजेंद्र कुमार दुबे राजन ने सभी कार्यकर्ताओं से एक जुट होकर पार्टी को मजबूत करने पर बल दिया l A, I, C, C, सदस्य श्री शेखर बहुगुणा ने कहा कि जब आपलोग याद करेगें हम आपके साथ हैं द्य बैठक कार्यक्रम में प्रभारी प्रतापगढ़ श्री हरिकेश त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष यमुनापार अशोक सिंह पटेल, नयन कुमार कुशवाहा, अनूप त्रिपाठी, राकेश श्रीवास्तव, सुशील तिवारी, अंजुम नाज, निजामुद्दीन, विनोद जैकब, इस्तियांक अहमद, मुन्ना जाफ़री, राजू भारतीय, सरफराज, अनीता वर्मा, राजा पासी, निजाम, राजू सिंह पटेल, कामद प्रताप सिंह, वैभवी जोशी, नागेश भारतीय, सुनील श्रीवास्तव आदि लोग शामिल रहें द्य

राज्यपाल के संभावित आगमन को लेकर प्रशासन सतर्क इंदिरा भवन का किया निरीक्षण

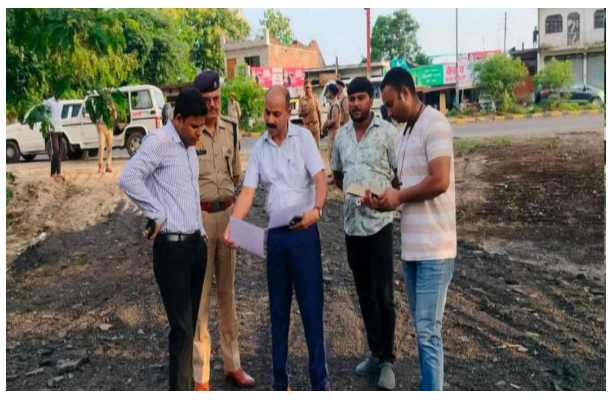

क्यूँ न लिखूँ सच / राम कुमार यादव /बस्ती राज्यपाल के पांच अगस्त को संभावित दौरे की सूचना के बाद जिले के प्रशासनिक अधिकारियों में हलचल तेज हो गई है। शुक्रवार शाम एडीएम प्रतिपाल चौहान, एडिशनल एसपी ओपी सिंह व सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण तिवारी ने कप्तानगंज के पिकोरा सनी स्थित इंदिरा भवन का निरीक्षण किया।इंदिरा चैरिटेबल ट्रस्ट समिति द्वारा ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम और प्रस्तावित गरिमा गृह की प्रगति की जानकारी भी अधिकारियों ने ली। संस्था के सीईओ अजय पांडे ने बताया कि गरिमा गृह की स्थापना के लिए शासन स्तर पर प्रमुख सचिव और समाज कल्याण मंत्री को निर्देशित किया जा चुका है।इसके अलावा, राज्यपाल द्वारा ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए पढ़ाई हेतु दिए गए डिजिटल स्मार्ट बोर्ड के उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भी अधिकारियों ने समीक्षा की। यह उद्घाटन कार्यक्रम राज्य भवन की सहमति के पश्चात प्रस्तावित है। राज्यपाल के दौरे को लेकर लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

अभ्यर्थी को ठहरना, नास्ता एवं भोजन सही दाम पर प्राप्त हो- संभागायुक्त श्री खत्री

क्यूँ न लिखूँ सच / , राजकुमार शर्मा कटारे /शिवपुरी, आगामी अग्निवीर सेना भर्ती रैली के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा हेतु शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष शिवपुरी में संभागायुक्त ग्वालियर मनोज खत्री की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आर्मी ब्रिगेडियर संजय शर्मा, ग्वालियर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, सेना भर्ती निदेशक कर्नल पंकज कुमार, अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, एसडीएम अनुपम शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। संभागायुक्त मनोज खत्री ने कहा कि उक्त भर्ती प्रक्रिया का समय-समय पर भ्रमण किया जाएगा। अधिकारी दिए गए सभी निर्देशों का पालन करें। भर्ती के लिए शिवपुरी आने वाले अभ्यर्थी को परेशानी न हो, यह जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है। आईजी अरविंद सक्सेना ने कहा कि भर्ती से बाहर होने वाले अभ्यर्थियों से पुलिस संवेदनशीलता से व्यवहार करे और उन्हें यह समझाएं कि यह अंतिम अवसर नहीं है। कोई भी अप्रिय घटना की स्थिति निर्मित होने पर सख्ती से कार्यवाही करें। पुलिस बल की शिफ्टवार ड्यूटी सुनिश्चित हो तथा बाहरी बल की आवास, भोजन, पेयजल, स्नान एवं बरसाती आदि की सम्पूर्ण व्यवस्था की जाए।नास्ता, खाना समय पर दिया जाए और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। सुरक्षा के दृष्टिकोण से समस्त संभावित स्थलों पर पुलिस बल तैनात किया जाए। उन्होंने वनरेवल पोइंट पर फायर बिग्रेड रखने एवं संपूर्ण व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मेडिकल सुविधा एवं फायर बिग्रेड की भी जानकारी ली। कर्नल पंकज कुमार ने बताया कि भर्ती रैली में अभ्यर्थियों की आने की प्रक्रिया 3 अगस?त की रात्रि से प्रारंभ होगी और संपूर्ण भर्ती 15 अगस्त में प्रात?काल में पूर्ण होगी। उन्होंने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से संपूर्ण प्रक्रिया की रूपरेखा प्रस्तुत करे

हाथियों द्वारा बर्बाद फसल पर किसानों को मिलेगा मुआवजा

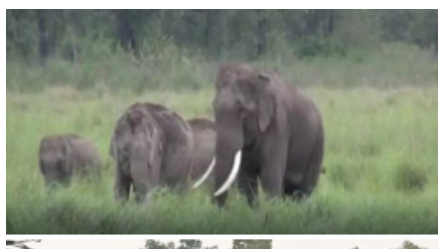

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / बीते तीन साल में हाथियों की चहलकदमी से बर्बाद हुई फसल का मुआवजा किसानों को दिया जाएगा। सरकार की ओर से 34,83,310 रुपए की धनराशि स्वीकृत कर ली गई है?। इस मुआवजे से जिले के 281 किसानों को लाभ मिलेगा?। पीलीभीत में प्रवास के दौरान नेपाली हाथियों की आमद दर्ज की जाती है। इस दौरान वे भटककर आबादी वाले इलाकों में पहुंच जाते हैं। हाथियों की चहल कदमी के चलते इलाक़े के किसानों को ख़ासा नुक़सान उठाना पड़ता है। 3 सालों के इंतज़ार के बाद अब किसानों को मुआवज़ा मिल रहा है। पीलीभीत जिले में आम तौर पर बाघों की आबादी के बीच चहलकदमी देखी जाती है। लेकिन कई बार पड़ोसी देश नेपाल और कई बार पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटी किशनपुर वाइल्डलाइफ सेंचुरी से विचरण करते हुए हाथी पीलीभीत में प्रवेश कर जाते हैं। वैसे तो लंबी दूरी में विचरण करना हाथियों का मूल स्वभाव है। कुछ सालों में हाथी भटक कर बस्तियों तक पहुंच जा रहे हैं। नतीजतन किसानों की फसलों व घरों का नुक्सान होता है।ऐसे में कई बार ग्रामीणों में आक्रोश भी देखा जाता है। महीनों की मेहनत से उगायी गई फसल कुछ दिनों में बर्बाद होने पार ग्रामीणों के परिवारों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। लंबे समय से किसान मुआवजे की मांग कर रहे थे। इस पर वन विभाग की ओर से सर्वे के बाद धनराशि स्वीकृत कराने के लिए शासन स्तर पर पत्राचार किए गए थे। अब शासन ने बजट की स्वीकृति दे दी है। राजस्व और वन विभाग की ओर से संयुक्त रूप से किए गए सर्वे और फसल नुकसान के आंकलन के आधार पर मुआवजा की कवायद शुरू की गई थी। सरकार की ओर से 34,83,310 रुपए की धनराशि स्वीकृत कर ली गई है। इस मुआवजे से जिले के 281 किसानों को लाभ मिलेगा। पीलीभीत वन एवं वन्यजीव प्रभाग के प्रभागीय निदेशक भरत कुमार डीके ने बताया कि मुआवजे की धनराशि सीधे प्रभावित किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी।

पनैठी स्वास्थ्य केंद्र पर सफाई व्यवस्था चौपट श गंदगी का ढेर

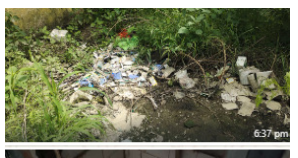

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पनैठी की सफाई व्यवस्था चौपट है और बहुत बुरी हालत में है यहां पर मरीज जाते हैं ठीक होने के लिए ऐसी गंदगी में मरीज ठीक होना संभव है क्या स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बताएं इस समस्या के प्रति अधिकारियों को गंभीर होना चाहिए लापरवाह नहीं होना चाहिए यह गंदगी मरीजों में बीमारी फैल रही है जो ठीक होने आते हैं वह और बीमार होकर जाएंगे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कभी इसका निरीक्षण नहीं किया है गंदगी से ऐसा लगता है कि जैसे लावारिस स्वास्थ्य केंद्र हो कमिश्नर डीएम से आग्रह किया है ऐसे स्वास्थ्य केदो का निरीक्षण करें संबंधित विभाग के खिलाफ कार्रवाई करें इस स्वास्थ्य केंद्र पर काफी लापरवाही है और स्वास्थ्य केंद्र की सफाई हालत काफी चिंताजनक बनी हुई है स्वच्छता अभियान काफी कमजोर है ध्यान दिया जाए नाइट में चौकीदार तक नहीं है महिला स्टाफ अकेली रहती है चौकीदार की पोस्टिंग कराई जाए इसकी सीधी शिकायत उत्तर प्रदेश सरकार से की जाएगी

डॉक्टर साहब... ये रहा सांप, कोबरा को डब्बे में बंद कर अस्पताल पहुंचा युवक

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / पीलीभीत में एक अनोखी घटना घटी, जहां एक युवक को सांप काटने के बाद उसे मारकर या भगाने की बजाय, पकड़कर डब्बे में बंद कर अस्पताल ले गया। उसने डॉक्टरों को बताया कि यही कोबरा सांप है जिसने उसे काटा है। अस्पताल में यह मंजर देखकर हर कोई हैरान रह गया। पूरे मामले के बाद से ही हर कोई युवक के हिम्मत की दाद दे रहा है। आप को बता दें कि कुछ महीनों पहले बिहार में भी ऐसा ही मामला सामने आया था। बरसात के बाद से ही सर्पदंश की घटनाएं आम हो जाती हैं। वैसे तो सर्पदंश की अधिकांश घटनाएं खेतो में देखने को मिलती हैं मगर बरसात के मौसम में सांप घरों में भी पहुंच जाते हैं। सांप के काटते ही लोग सुध खो बैठते हैं। ऐसा ही मामला पीलीभीत जिले के बिलसंडा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले नवदिया रामपुर में देखने को मिला। जहां गांव के रहने वाले बुजुर्ग परमेश्वरी दयाल को घर में घुसे सांप ने काट लिया। सर्पदंश के कुछ देर बुजुर्ग की मौत हो गई। इसी बीच घर के लोगों को संदेह था कि सांप अभी भी घर में ही छिपा बैठा है। ऐसे में सभी ने सांप की तलाश शुरू कर दी। इसी बीच परमेश्वरी दयाल के नाती वीरपाल ने सांप को देख लिया, लेकिन सांप को पकड़ने के दौरान सांप ने उसे भी काट लिया। लेकिन वीरपाल ने हिम्मत नहीं हारी और सांप को पकड़ लिया। वीरपाल को जिस सांप ने काटा था वह कोई मामूली सांप नहीं बल्कि सबसे घातक माने जाना वाला कोबरा था। वीरपाल कोबरा को पकड़ कर अस्पताल ले गया। दरअसल सांप की पहचान के आधार पर ही तय किया जाता है कि सर्पदंश के बाद क्या दवाई दी जानी है। इसी के चलते वीरपाल सांप को लेकर अस्पताल पहुंचा था। हाल फिलहाल युवक की हिम्मत देख कर कोई हैरान है और उसकी सराहना कर रहा है।

ग्राम धुंधरी के पंचायत सचिवालय में मनाया गया पीएम किसान उत्सव दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त किसानों को जारी की। जिसके तहत देश भर के 9.70 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 20,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। इस अवसर पर देश भर के किसानों में उत्साह का माहौल रहा?। इस अवसर पर ग्राम पंचायत धुंधरी पंचायत सचिवालय में पीएम किसान उत्सव दिवस के उपलक्ष्य में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गांव के किसानों ने शामिल प्रधानमंत्री का संवाद सुना।काशी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के किसान सम्मान निधि की 20 वीं किस्त के हस्तांतरण भाषण का लाइव प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी आज 51वीं बार पहुंचे और 2,183.45 करोड़ रुपये की लागत वाली 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की इस दौरान प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान में आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा कि पहले के सरकारों में किसानों के नाम पर एक घोषणा भी पूरी होना मुश्किल थी, लेकिन बीजेपी सरकार जो कहती है वो करके दिखाती हैं। आज पीएम किसान सम्मान निधि सरकार के पक्के इरादों का उदाहरण बन गई है। उन्होंने कहा कि यूपी के सैकड़ों किसानों को इस योजना का लाभ मिला है। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की, जिसके तहत देशभर के 9.70 करोड़ से अधिक किसानों को 20,500 करोड़ सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलहाल प्रदेश वीडियो ं को कई सौगात दी हैं इस अवसर पर उन्होंने लखपति दीदी योजना के बारे में भी संबोधित किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों का मार्गदर्शन करते हुए कई योजनाओं के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान इंद्रपाल वर्मा ,रोजगार सेवक प्रेमशंकर ,भाजपा मंडल अमरिया उपाध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत सदस्य धुंधरी डा0 धर्मवीर प्रजापति, तेजपाल वर्मा,जीवन लाल यादव , सुम्मेरी लाल, रामबहादुर प्रजापति, समूह सखी ममता यादव, शौचालय केयर टेकर सुखदेई, सुनीता देवी, मोरकली सहित गांव अनेको पुरुष व महिलाएं उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त समाचार

नदीगांव में सक्रिय हुई एंटी रोमियो टीम

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव की एंटी रोमियो टीम अब सक्रिय हो गई है आज शनिवार को एंटी रोमियो टीम के प्रभारी दरोगा सत्यदेव सिंह सिपाही नीतेश कुमार महिला कांस्टेबिल सोमवती महिला कांस्टेबिल मंजू शाक्य आदि ने एंटी रोमियो मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत नदीगांव नगर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों यथा के स्कूल कॉलेज भीड़ भाड़ वाले स्थानों, आने जाने वाले रास्तों पर चेकिंग की और थाना नदीगांव क्षेत्र में छात्र व छात्राओं को जागरूक कर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना एवम् विभिन्न सरकारी हेल्प लाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी गई टीम ने महिला हेल्प लाइन नंबर 181 वूमेन पावर लाइन नंबर 1090 आपात कालीन नंबर 112 स्वास्थ्य सेवा नंबर 102 एंबुलेंस नंबर 108 चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन नंबर 1076 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी साथ ही छात्राओं को बताया है कि अगर किसी को कोई परेशानी या कोई समस्या हो तो जरूर बताये

शिवनारायण वर्मा खेड़ा चौकी के नये प्रभारी बने

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार ने कानून व्यवस्था को और अधिक अच्छा बनाने को लेकर कई चौकी प्रभारियों के तबादले किये है जिनमें कोंच कोतवाली की अति महत्वपूर्ण खेड़ा पुलिस चौकी में नये चौकी प्रभारी के पद पर सब इंस्पेक्टर शिवनारायण बर्मा को नियुक्त किया है सब इंस्पेक्टर शिवनारायण बर्मा अभी पुलिस लाइन उरई में तैनात थे जो अब कोंच की खेड़ा पुलिस चौकी की कमान संभालेंगे और यहां खेड़ा पुलिस चौकी पर कार्यरत दरोगा संतराम कुशवाहा का स्थानांतरण पुलिस लाइन किया है वैसे दरोगा संतराम कुशवाहा का स्थानांतरण डीआईजी रेंज द्वारा जनपद झांसी के लिये हो गया था अभी तक वह रिलीव नहीं हुये थे नये खेड़ा पुलिस चौकी के प्रभारी शिवनारायण बर्मा काफी सख्त और ईमानदार है वह पूर्व में कोतवाली कोंच की भेंड़ चौकी के प्रभारी के पद पर कार्य चुके है और कार्य के प्रति वह सजग रहते है

महिला ने पति पर अवैध संबंध व दहेज का लगाया आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ गांधी पार्क क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति पर अवैध संबंध बनाने और दहेज के लिए घर से निकालने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति समेत ससुराल के 11 के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत जांच शुरू कर दी है। आपको बतादें कि गांधीपार्क क्षेत्र के एक क्षेत्र की निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह नौ वर्ष पूर्व गांधीपार्क क्षेत्र के ही हर्षित वार्ष्णेय के साथ हुआ था। इसमें उसके परिवार के 33 लाख रुपये खर्च हुए थे।

03 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / बहराइच / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

थाना रामगांव पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा पूर्व से वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु दिये गये दिशा निर्देश के अनुपालन मे महोदय क्षेत्राधिकारी महसी के निर्देशन में थानाध्यक्ष श्री राजकुमार पाण्डेय के कुशल नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 अयोध्या सिंह मय हमराहियान उ0नि0 मैनेजर सिंह व का0 कृष्ण कुमार व का0 अमित यादव के द्वारा दिनांक 02.08.2025 को अभियुक्त 1.मो0 कैफ पुत्र मकसूद उम्र करीब 25 वर्ष निवासी बौड़ी फत्तेउल्लापुर थाना रामगाँव जनपद बहराइच को मुखबिर खास की सूचना पर सोहरवा बैंक के बगल चाय की दुकान के पास से समय करीब 11.10 बजे हिरासत पुलिस में लिया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी के समय मा0 सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों निर्देशों का अक्षरश: पालन किया गया। अभियुक्त उपरोक्त का चालान कर माननीय न्यायालय बहराइच रवाना किया गया।

विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में पी0 एम0 किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ उरई – वाराणसी से माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी किये जाने के शुभ अवसर पर जनपद के विकास भवन उरई में स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में एवं समस्त विकासखण्डों तथा ग्राम पंचायतों में माननीय जनप्रतिनिधियों के आतिथ्य में पी0एम0 किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम में माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्री घनश्याम अनुरागी, माननीय विधायक क्षेत्र उरई सदर श्री गौरीशंकर वर्मा, मा0 विधायक माधौगढ़ श्री मूलचन्द्र निरंजन, मा0 जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी श्रीमती उर्विजा दीक्षित, श्री अरविन्द चौहान प्रतिनिधि मा0 मंत्री जल शक्ति विभाग, डा0 मयंक त्रिपाठी प्रतिनिधि मा0 सदस्य विधान परिषद एवं भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्री सूर्यनायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण दिखाया गया। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उपकृषि निदेशक ने कहा कि जनपद में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत जारी 20वी किश्त से कुल 199043 लाभार्थी लाभान्वित हुए है जिसमे उरई तहसील के कुल 26467 लाभार्थी, जालौन तहसील के कुल 36010 लाभार्थी, कोंच तहसील के कुल 40295 लाभार्थी, कालपी तहसील के कुल 46242 लाभार्थी व माधौगढ़ तेहसील के कुल 50029 लाभार्थी लाभान्वित हुए है। कार्यक्रम के अंत मे उपकृषि निदेशक ने समस्त उपस्थित मा0 जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित कृषकों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक एस0के0उत्तम, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नीरज सहित कृषि से सम्बद्ध विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी तथा अधिक संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे।

नवनिर्मित सेटेलाइट बस अड्डे का नाम लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर

क्यूँ न लिखूँ सच / शशिकांत शर्मा/ शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम बस अड्डों का नामकरण आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत क्रांतिकारियों के नाम से रखे जाने हेतु। आज दिनांक 02 अगस्त को शाहजहांपुर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जिलास्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे एन0एच0-30 पर अहमदपुर-नियाजपुर के पास नवनिर्मित सेटेलाइट बस अड्डे का नाम लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखे जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से प्रस्तुत किया गया। इस बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा सहमति जताई गई। कि नवनिर्मित सेटेलाइट बस अडडे का नाम लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखे जाने से लोगों को उनके बारे में जानने एवं समझाने का अवसर प्राप्त होगा तथा उनके द्वारा राष्ट्र निर्माण में किये गये योगदान के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के द्वारा एक कुशल शासक व प्रशासक के रूप में राष्ट्र निर्माण में किये गये महत्वपूर्ण योगदान को दृष्टिगत रखते हुये उनकी स्मृति में नवनिर्मित सेटेलाइट बस अड्डे का नाम लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर् के नाम पर रखे जाने की सहर्ष सहमति प्रदान की गयी।

पनैठी देशी ठेका शराब से बाइक चोरी दिनदहाड़े चोर सक्रिय

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ – थाना हरदुआगंज जलाली चोकी अंतर्गत,के पनैठी, देसी शराब ठेका से, असलम पिता का नाम अक्सर अली निवासी अधौन थाना अकाराबाद ने पुलिस को दी तहरीर में बता या है कि वह ठेका पर गया कैंटीन में शराब पी रहा था था वापस आया तो बाइक वहां नहीं थी। असलम ने सेल्समेन से का कैमरा चेक करने के लिए कैमरा बंद निकले,अज्ञात चोर के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी चौकी प्रभारी उमेश चंद शर्मा ने बताया कि जांच की आ रही है

जनता के साथ सरकार, बाढ़ क्षेत्र में स्टीमर से पहुँचे अधिकारी, राहत शिविरों में मदद पहुँची

कालपी बाढ़ क्षेत्र में तेज़ राहत कार्य, स्टीमर से निरीक्षण कर उच्चाधिकारियों ने बांटी राहत सामग्री

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ जनपद में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत एवं पुनर्वास कार्यों को पूरी तत्परता के साथ संचालित किया जा रहा है। कालपी तहसील के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में उच्चाधिकारियों का संयुक्त दल स्टीमर से पहुंचा और वहां चल रहे राहत प्रयासों का स्थलीय निरीक्षण किया। विधायक विनोद चतुर्वेदी, पूर्व विधायक नरेंद्र जादौन, मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे, डीआईजी केशव कुमार चौधरी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार ने जायजा लिया। अधिकारियों ने मंगरौल स्थित कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय में बनाए गए बाढ़ राहत केंद्र और कम्युनिटी किचन का अवलोकन किया तथा वहां मौजूद बाढ़ प्रभावित लोगों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग एवं पशु चिकित्सा विभाग द्वारा लगाए गए शिविरों की व्यवस्था देखी गई। मंडलायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राहत शिविरों में सभी आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं, प्राथमिक उपचार सामग्री तथा पशुओं के लिए टीकाकरण एवं चारे की व्यवस्था समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाए। बाढ़ राहत केंद्र पर उपस्थित पीड़ितों को प्रशासन द्वारा संपूर्ण राहत किट वितरित की गई, जिसमें दैनिक उपयोग की आवश्यक खाद्य सामग्री, स्वच्छता से जुड़ी वस्तुएं और घरेलू सामान शामिल था। प्रत्येक किट में आटा, चावल, दाल, भुना चना, चीनी, नमक, बिस्कुट, लाई, आलू, तेल, हल्दी, मसाले, नहाने व कपड़े धोने का साबुन, डेटॉल/सेवलॉन, सैनिटरी पैड, सूती कपड़ा, तौलिया, माचिस, मोमबत्ती, बाल्टी, मग तथा तिरपाल जैसी वस्तुएं शामिल रहीं। मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़ प्रभावित नागरिकों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। राहत कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और प्रत्येक जरूरतमंद तक सहायता पहुँचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। हर बाढ़ पीड़ित व्यक्ति तक राहत पहुँचाई जा रही है और सभी विभाग समन्वय से सतत कार्य कर रहे हैं। सरकार की त्वरित प्रतिक्रिया और प्रशासनिक सक्रियता ने जनमानस में विश्वास की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन हर स्थिति में जनता के साथ खड़ा है।

सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी को सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। प्रधान सहायक/प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील कुमार श्रीवास्तव जी के सेवानिवृत्त होने पर आज विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी न्यायिक अशोक कुमार ने के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दौरान अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अमरेन्द्र सुनील को फोन कर उनके मंगल भविष्य न्यायिक ने अपने संबोधन में कहा कि में अपनी लगन, ईमानदारी एवं निष्पक्षता अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि श्री सुनील प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर प्रधान निर्वाचन अधिकारी सुनील जी एस ने भावुक होकर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया और अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रशासनिक सेवा में काम करते हुए विभाग के प्रति दायित्वों का निर्वहन करते हुए जो स्नेह और सहयोग मिला, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। अन्त में अपर जिलाधिकारी ने सुनील को स्मृति चिन्ह तथा अंगवस्त्र भेंटकर उनके मंगल भविष्य की कामना की। इसके अलावा अन्य सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुनील के स्वस्थ, सुखमय जीवन की कामना किया।

कलेक्ट्रेट सभागार में एक गरिमापूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर की। इस अवसर पर जिला प्रशासन उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस कुमार वर्मा ने भी सेवानिवृत्त की कामना की। अपर जिलाधिकारी सुनील ने निर्वाचन संबंधी कार्यों से जो योगदान दिया है, वह ने अपने कार्यकाल में निर्वाचन ढंग से संपन्न कराने में महत्त्वपूर्ण सहायक/प्र0 सहायक जिला

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मुख्यालय भिनगा में सैनिक सम्मेलन का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मुख्यालय भिनगा में सैनिक सम्मेलन का आयोजन अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा की अध्यक्षता में किया गया। मुख्यालय सहित सीमा चौकियों से जवानों से संवाद स्थापित कर उनकी ली गई तथा उन्हें आवश्यक दिशा- अमरेन्द्र कुमार वरुण कमांडेंट ने करते हुए निम्नलिखित महत्वपूर्ण तालमेल, अनुशासन एवं बड्डी पेअर सशक्त करने पर बल दिया गया। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए सीमा की अवैध गतिविधियों एवं तस्करी निगरानी बनाए रखने को कहा गया। अपराध, ट्रेडिंग एवं ऑनलाइन गेमिंग दी गई। दैनिक शारीरिक प्रशिक्षण योगाभ्यास को नियमित रूप से

इस अवसर पर वाहिनी आये अधिकारियों एवं समस्याओं की जानकारी निर्देश प्रदान किए गए। सम्मेलन को संबोधित विषयों आपसी सिस्टम को और अधिक आगामी 15 अगस्त क्षेत्र में किसी भी प्रकार को रोकने के लिए सख्त जवानों को साइबर से दूर रहने की सलाह (PT), खेलकूद व अपनाने तथा अच्छे स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी गई। बैंक लोन एवं क्रेडिट कार्ड के अति प्रयोग से बचने की सलाह दी गई ताकि आर्थिक संतुलन बना रहे। वर्षा ऋतु के दृष्टिगत कैंप, बैरक, मेस तथा आस-पास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। सीमा पर ड्यूटी के दौरान दोनों देशों के नागरिकों से शिष्ट एवं मर्यादित व्यवहार बनाए रखने के लिए कहा गया। इस अवसर पर ललेंद्र रत्नाकर, द्वितीय कमान अधिकारी, निरूपेश कुमार, उप कमांडेंट, पियूष सिन्हा, उप कमांडेंट, राहुल गणेश माली, सहायक कमांडेंट, श्री अमित शर्मा, सहायक कमांडेंट, श्री प्रागड़ा साई कुमार, सहायक कमांडेंट सहित वाहिनी के अन्य अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। यह सम्मेलन जवानों के मनोबल को सुदृढ़ करने, उनके उत्तरदायित्वों की पुनः पुष्टि करने तथा कार्यक्षमता एवं अनुशासन को और अधिक बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है ।

विश्व स्तन-पान सप्ताह के आरम्भ में रेड क्रॉस द्वारा एक गोष्ठी आयोजित की गई

क्यूँ न लिखूँ सच / शशिकांत शर्मा/ यूपी के जनपद शाहजहांपुर में विश्व स्तन-पान सप्ताह के आरम्भ पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा जनपद के बरेली मोड स्थित एक संस्थान में स्तन पान जागरूकता अभियान के तहत एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित के सचिव डॉ विजय जौहरी ने बताया स्तन पान पर रेड क्रॉस सोसाइटी की भूमिका का निर्वाह करती है और स्तन पान को बढ़ावा देने में आपात कालीन में सहयोग रहता है इसके क्रम में डॉ जौहरी ने जानकारी देते हुए बताया अब दूध कार्यक्रम चलाया जाता है। जिसका लाभ मां के दूध से वंचित शिशुओं को में और 2017 मै वात्सल्य-मातृ अमृत कोष नामक दूध बैंक लेडी हाइडिंग प्रेरणा का प्रमाण है वर्तमान समय में असहाय अनाथ शिशु को दूध उपलब्ध अभियान चलाने की आवश्यकता है जिसके लिए रेड क्रॉस प्रयासरत है गोष्ठी में श्रीमती नीति,सिखा,संगीता,मीरा, शुभा,पूनम, सीमा एवं रेड क्रॉस के कार्यकर्ता आदि उपस्थि रहे।

महिलाओं ने अपने अपने विचार प्रकट किए। इसके उपरांत रेड क्रॉस सोसाइटी भूमिका मां और शिशु के स्वास्थ एवं पोषण को उपलब्ध कराने में सहयोगी असहाय अनाथ शिशु एवं विधवा गर्भवती को स्वास्थ एवं पोषण की के लिए दान बैंक खोले जा रहे। जैसे ऑस्ट्रेलियाई रेड, क्रॉस लाइफब्लड दूध दान मिलता है भारत मै एशिया का पहला दूध बेंक 1998 मै सायन हॉस्पिटल मुंबई मेडिकल कॉलेज में स्थापित किया गया हमारे देश का इतिहास पन्ना धाय की कराने के लिए धाय मां की भूमिका का निर्वाह करने के लिए जन जागरूकता

संक्षिप्त समाचार

ई-रिक्शा व अनियंत्रित होकर बाइक पलटी, दो घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती जमुनहा तहसील हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के गिरंट बाजार निवासी श्याम सुंदर गुप्ता पुत्र सीता राम गुप्ता शाम को मिर्जापुर चौराहे पर संचालित अपनी उर्वरक की दुकान बंद कर बाइक से घर जा रहा था। इस दौरान कुछ दूर आते ही बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें श्याम सुन्दर गंभीररूप से घायल हो गया। जिसे पास के ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल बहराइच भेज दिया गया। इसी तरह देर शाम को मल्हीपुर थाना क्षेत्र के कुंडा गांव के पास बेकाबू होकर एक रिक्शा पलट गया।

ककरदरी में दो वर्षों से बन रहा पानी टंकी अभी है अधूरा दूषित पानी पीने को ग्रामीण मजबूर

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जिले के भिनगा तहसील में भारत-नेपाल सीमा से सटे ग्राम पंचायत ककरदरी में जल जीवन मिशन के तहत पानी टंकी का निर्माण कार्य पिछले दो साल से अधूरा पड़ा है। इस कारण ग्रामीणों को घर पर शुद्ध पानी नहीं मिल पा रहा है। लगभग 3500 से 4000 की आबादी वाले इस गांव में कार्यदाई संस्था द्वारा सरकारी योजना का क्रियान्वयन ठीक से नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह क्षेत्र बाढ़ प्रभावित है। इस कारण यहां का पानी दूषित है। दूषित पानी पीने से लोग संक्रामक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से पानी टंकी का निर्माण कार्य पूरा करने और जलापूर्ति बहाल करने की मांग की है। अधूरी पड़ी पानी टंकी और दूषित जल के कारण स्थानीय निवासियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

स्व राम प्यारी देवी रेजा ट्रस्ट द्वारा बच्चों को पेंटिंग कलर वितरित किये

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) स्वर्गीय राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट उत्तर प्रदेश इकाई कोंच द्वारा प्रसिद्ध मां हुल्का देवी मंदिर पड़री के प्रांगण में वृक्षों पर आधारित एक गोष्ठी तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ साथ लगभग दो दर्जन छात्र छात्राओं को पेंटिंग हेतु कलर रंग वितरित किये इस कार्यक्रम के अतिथि के रूप में शिक्षक नेता पूर्व माध्यमिक विद्यालय धंन्जा में प्रधान अध्यापक स्वर्गीय राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य राम शंकर छानी एवं मां हुल्का देवी मंदिर के महंत अनिल पटेल उपस्थित रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी दानवीर कुशल संचालक ट्रस्ट के आमंत्रित सदस्य वव्वू राजा पटेल नरी आदि ने स्व रामप्यारी देवी रेजा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया अतिथियों को विनोद गुप्ता एमएससी के द्वारा पट्टिका उड़ाकर सम्मान किया गया इस अवसर पर बोलते हुए वव्वू राजा नरी ने कहा ट्रस्ट के द्वारा उत्तर प्रदेश में दो वर्षों से लगातार निर्धन छात्रों के हितार्थ कार्य किये जा रहे है ट्रस्ट अपने स्वयं स्रोतों से यह कार्य करता है वृक्षों की महत्वा के बारे में भी बतलाया उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने अपने खाली स्थान पर एक पेड़ मां के नाम से अवश्य लगाना चाहिये उन्होंने कहा मेरे लिए ट्रस्ट में कोई सेवा कार्य होगा तो मैं जरूर करूंगा इस अवसर पर बोलते हुए विनोद एमएससी लोई वालों ने कहा कि ट्रस्ट के द्वारा विगत वर्ष और इस वर्ष लगभग दो सौ वृक्ष स्थापित किये जा चुके है तथा पेड़ हमारे पर्यावरण को संतुलित बनाए रखते है तथा ट्रस्ट द्वारा समय समय पर समाजसेवी कार्य किए जाते रहते है तथा उन्होंने यह भी कहा कि ट्रस्ट के द्वारा नगर में सिलाई मशीन भी भेंट की जा चुकी है ट्रस्ट के डायरेक्टर इंजीनियर राजीव कुमार रेजा ने कहा कि ट्रस्ट के द्वारा केंद्रीय कार्यालय अहमदाबाद गुजरात में वृक्षों का एक बाग तैयार किया जा चुका है उन्होंने कहा कि करोना काल में ऑक्सीजन की कमी से सैकड़ों लोग मारे गए थे पेड़ों से हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है मुख्य अतिथि रामशंकर छानी ने शानदार ढंग से वृक्षों की महत्वता के बारे में बताया उन्होंने कहा कि जब सीता जी अशोक वाटिका में अशोक के वृक्ष के नीचे बैठी थी तब उन्होंने अशोक के वृक्ष से यह प्रार्थना की थी कि हे वृक्ष आप हमारा शोक हरे उन्होंने वृक्षों में तुलसी की महत्वता का भी विस्तार से वर्णन कियास इस अवसर पर मयंक मोहन गुप्ता के नाती जो कि दुबई में शिक्षा ग्रहण कर रहे डुग्गू गुप्ता ने वेवाक तरीके से वृक्षों की महत्वता पर प्रकाश डाला

Today Friendship Day, spend memorable moments with friends at these 5 spots in Delhi; there will be no shortage of fun

Friendship Day 2025 is coming to be celebrated today and if you are in Delhi then it is a must to plan something special with friends. Yes, this time leave the boring parties and spend some moments with your friends at these 5 wonderful places in Delhi that you will always remember. Believe me, there will be no shortage of fun here. Friendship Day is being celebrated on 3 August. You can make this day special by meeting friends. 5 places in Delhi are perfect in this matter. The relationship of friendship is one of the most beautiful and true relationships in the world. This is the bond where you can present yourself completely without any pretense. In such a situation, why not do something special on this Friendship Day so that its memories always remain fresh in your heart? Yes, on the special occasion of Friendship Day being celebrated on 3 August, instead of boring plans, this time you can explore some great places of Delhi with your friends. Here are 5 such ideas that will make your Friendship Day super fun. Hauz Khas Village If your group likes cafe hopping and a new twist on old things, then Hauz Khas Village is perfect. Here you will find many trendy cafes, boutiques and art galleries. The vibe here becomes even more spectacular in the evening. You can sit with friends in a rooftop cafe and enjoy the view of Delhi or go for a walk in the nearby Deer Park. Concert or live music night If your friends like music, then go to a live music venue or concert this Friendship Day. There are many pubs, cafes and auditoriums in Delhi-NCR where live bands often perform or there are DJ nights. Dancing together on your favourite songs, discovering new tunes and a great atmosphere will make your Friendship Day musical. Delhi Haat If you want to experience the culture and flavours of different states of India with your friends, then Delhi Haat is a great place. Here you will find traditional handicrafts and delicious dishes from every state. Live music and cultural performances also happen frequently, which will make your Friendship Day even more memorable. Adventure Sports If your group likes adventure, then you can enjoy adventure sports at many places around Delhi-NCR. In Gurugram or Faridabad, you can try activities like ziplining, rock climbing, bungee jumping or ATV riding. These experiences will fill your Friendship Day with excitement and you will also get a chance to do something completely new together. Bowling or Gaming Arcade This is also one of the all-time fun activities. You will find bowling alleys and gaming zones in all the big malls of Delhi-NCR. Competing with friends in bowling, playing video games or challenging each other in air hockey can all add unlimited fun to your Friendship Day. It's a great way to have fun and create memorable moments together.

Eat these 6 foods to improve your mood, mental tension will also go away; brain will also remain healthy

In today's stressful life, problems like bad mood, stress anxiety are becoming common. But do you know that some foods (Foods for Happy Mood) can help in improving your mood. Actually these foods increase happy hormones, due to which the mood automatically becomes good. Happy hormones make us feel good. Some foods help in increasing happy hormones. Eating these foods also keeps the health good. In today's busy life and stressful environment, our mood is often bad. Sometimes in the pressure of work, and sometimes the problems of personal life keep us stressed. But do you know that our food (Foods for Good Mood) plays an important role in affecting our mood? Yes, there are some healthy foods that boost happy hormones, such as serotonin, dopamine and endorphins, which keeps our mood good. Let's know about 6 such healthy foods (Foods for Happy Hormones) that can improve your mood. Dark Chocolate Dark chocolate is not only great in taste, but it also acts as a mood booster. It contains high amount of cocoa, which increases the level of endorphins and serotonin. The magnesium present in dark chocolate helps in reducing stress. However, it should be eaten in limited quantities, as excess sugar can be harmful to health. Banana - Banana is a superfood that is rich in potassium, vitamin-B6 and natural sugar. Vitamin-B6 helps in the production of serotonin hormone, which keeps the mood good. Apart from this, bananas contain tryptophan amino acid, which promotes happy hormones. Nuts and seeds- Nuts and seeds like almonds, walnuts, cashews and pumpkin seeds are rich in omega-3 fatty acids, magnesium and zinc. All these nutrients help in keeping the brain healthy and reducing stress. The omega-3 fatty acid present in walnuts is helpful in reducing depression. Turmeric milk- Turmeric contains curcumin, which is an active compound. It is a powerful anti-inflammatory and antioxidant. Drinking turmeric milk increases the level of dopamine and serotonin, which improves mood. It also improves sleep, which reduces stress. Spinach and green leafy vegetables- Green leafy vegetables are rich in folate (vitamin-B9), which is beneficial for the brain. Folate deficiency can cause depression and irritability. Eating vegetables like spinach, fenugreek, broccoli reduces mood swings and improves mental health. Yogurt and Probiotic Foods- Yogurt contains probiotics, which are beneficial bacteria for the intestines. Many studies also show that there is a direct connection between the gut and the brain. A healthy gut keeps the mood good and reduces stress. Apart from yogurt, probiotic foods like idli, dosa, kimchi and yogurt also work as mood boosters.

नाबालिग को शादी का झांसा देकर युवक ने किया दुष्कर्म मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रयागराज मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक युवती का आरोप है उसी के गांव का ही एक व्यक्ति उससे पहले दोस्ती की फिर प्यार का नाटक किया दो वर्ष से लगातार युवती के साथ शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बना रहा था एक सप्ताह पूर्व जब युवती ने युवक से शादी करने के लिए कहा तो आरोपित व्यक्ति युवती को अपने साथ लेकर कहीं भाग गया और सूनसान जगह पर रखकर युवती के साथ रात भर शारीरिक संबंध बनाए बाद में शादी करने से इनकार कर दिया युवती घर वापस आकर घर वालों को अपने साथ हुई घटना की जानकारी बताई तो घर वाले विकास उर्फ हीरा लाल पुत्र बिजली पटेल निवासी धनपारी का पूरा गधीयानी थाना मऊ आईमा के खिलाफ बलात्कार तथा पाक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में थाना मऊ आइमा में मुकदमा पंजीकृत करा दिए हैं पुलिस जांच कर आरोपित आरोपित को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही हैं।

अंसार गर्ल्स इंटर कॉलेज के अलंकरण समारोह में निदा साजिद और अरीबा बनीं कॉलेज कैप्टन

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा। अंसार गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज में शनिवार को गरिमामयी अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को विभिन्न नेतृत्व पदों की ज़िम्मेदारियाँ सौंपी गईं। समारोह की मुख्य विशेषता रही निदा साजिद और अरीबा बानो का संयुक्त रूप से कॉलेज कैप्टन के रूप में चयन। वहीं वाइस कैप्टन की जिम्मेदारी अल्फिया और सदफ इकबाल को सौंपी गई।

अनुशासन की कमान उम्मे हमना को डिसिप्लिन इंचार्ज के रूप में दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्या सलमा रफीक ने सभी चयनित छात्राओं को बैज पहनाकर उनके कर्तव्यों से अवगत कराया और उनमें नेतृत्व की भावना विकसित करने की प्रेरणा दी। नव नियुक्त कैप्टन निदा साजिद ने विद्यालय ध्वज के साथ प्रभावशाली मार्च पास्ट किया और छात्राओं को ईमानदारी, निष्ठा व अनुशासन की शपथ दिलाई। कक्षा कैप्टनों ने प्रेरणादायक गीतों और संकल्प वाक्यों के माध्यम से अपने दायित्वों को दोहराया। प्रधानाचार्या ने छात्राओं से विद्यालय के नियमों का पालन करने और अनुशासन बनाए रखने की अपील की। समारोह में शिक्षिकाएं राहिला सिद्दीकी, नसीमा बानो, शमीम फातिमा, रशीदा खातून, मुबश्शरा स्वालेह, हिना खानम, शशि चौरसिया व निकहत फातिमा सहित समस्त स्टाफ ने प्रतिभाग किया और छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

तमंचा से हवा में गोलियां चलाने के आरोप में पांच पर मुकदमा

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा(प्रयागराज)नगर पंचायत मऊआइमा के मोहल्ला गंजियाबाजार (पूरा काजी) निवासी विजय कुमार साहू पुत्र अर्जुन कुमार उर्फ दौलत शुक्रवार को शाम के समय बैरहना फल लेने गया था। जहां विवाद हो गया था। विजय कुमार साहू का आरोप है कि बाहरी लोगों ने तमंचा से फायर करते हुए तमंचा के बटों से मारे पीटे और गालियां दिए और धमकी देते हुए भाग गए। विजय कुमार साहू ने देर रात में साजिद, बब्बू उर्फ गुलाम रसूल, शाहिद,अबू बकर, पप्पू तथा दो अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

द्वारिका प्रसाद हीरावती विधि विधालय का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा(प्रयागराज) परम पूज्य स्वर्गीय द्वारिका प्रसाद जी कि बापू जी का जो सपना था सर्वांगीण ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए ग्राम सभा नसरतपुर में एक विधि विद्यालय खोला गया है।जिससे क्षेत्र के गांव गरीब के बच्चे को विधि एंव कानून की पढ़ाई के लिए शहर नहीं जा पा रहे हैं तो उनके लिए एक विधि विद्यालय बनना चाहिए जिससे कि वह अपने गांव में रहकर भी कानून की पढ़ाई से वंचित न रह जाए यह सपना आज पूज्य स्वर्गीय द्वारिका प्रसाद जी बापूजी के बड़े बेटे हम सबके मार्गदर्शक वा राजनीतिक गुरु सभापति डॉक्टर सुरेंद्र चौधरी जी के द्वारा इस सपने को पूरा किया गया ।

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम सोरांव को पांच सूत्री ज्ञापन सौंपा।

क्यूँ न लिखूँ सच / सोरांव। शनिवार को कांग्रेस पार्टी के गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में सोरांव उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन महामहिम राज्यपाल महोदया को प्रेषित किया गया। जिसमें किसानों से संबंधित पांच सूत्री मांगों को अविलंब निस्तारण की मांग की गई। इस अवसर पर श्री अहमद ने कहा कि जब खरीफ की रोपाई, बुआई, किसानों के सर पर है, ऐसी स्थिति में न ही नहरो में पानी आ रहा है,और न ही विद्युत सुयोजन सही तरीके से हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में किसान धान की रोपाई और अन्य फसलों की बुवाई कैसे कर सकते हैं। भाजपा सरकार किसान मजदूर विरोधी सरकार है। आज जब महंगाई अपने चरम पर है। लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है। ऐसी स्थिति में किसानों मजदूरों का जीना दूभर हो गया है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी ने जन विरोधी सरकार को जगाने के लिए ज्ञापन देकर जनता की समस्याओं के हल की मांग की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूंजी पतियों की सरकार है आज किसान पानी, बिजली, कीटनाशक दवाइयां, उर्वरकों और उन्नतशील बीजों, के लिए दर-दर भटक रहा है। उनके निदान पर भाजपा का कोई ध्यान नहीं है।केवल कांग्रेस पार्टी ही किसान,मजदूर,के हितों की लड़ाई लड़ रही है।ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से सर्वश्री जिला उपाध्यक्ष देवराज उपाध्याय,शमशुल कमर,ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद शमीम, पंचू लाल पासी,अनिल पाल,विनोद तिवारी,रजनीश कुमार पटेल,राजेश्वरी पटेल,सुनील पांडे,कंट्रोल रूम प्रभारी सद्दाम हुसैन सिद्दीकी,मो. फारूक,मो.नसीम उर्फ बेदी, हरिभान सिंह सिंगरौर,वाहिद अली,अजय प्रकाश,भुल्लन सिंह पटेल,डॉक्टर मनोज पाल,मो.असलम,चंदन कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

How much is the share of Karisma Kapoor's children in Sunjay Kapur's property? War broke out over 30 thousand crores

Ever since the death of Sanjay Kapoor, there has been a ruckus over his property. Kapoor has left behind a legacy of about 30 thousand crores and everyone has a question in their mind that who will get its share and how much.

the fire. Know how much share Karisma of domestic violence War broke out over died suddenly on June 12. The allegedly suffered a heart attack. Now there as to who is the real owner of it and how written a letter Karisma has two children this, he also has a child from his third wife mother has added more spice to it. twist in the will. His mother Rani Kapoor Precision Forgings (Sona Comstar) in the sudden death of her son in the month are being made to usurp his legacy. What family have once again made it clear that matters of her ex-husband. For a long demanding a share in the will of her ex- nothing like this. Sources further claimed However, Karisma's children are the real get their rights. Divorce happened in the is only on the well-being of her children at Meanwhile, Sanjay's mother's letter has added fuel to has in it. Married in the year 2003, Karisma had accused propertyKarisma Kapoor's ex-husband Sanjay Kapoor businessman was playing polo in London when he is a tussle over his property worth 30 thousand crores much money will come to whose share. Mother had Kian and Samaira from Sanjay Kapoor. Apart from Priya Sachdeva. At the same time, Sanjay Kapoor's Actually, she wrote a letter which has brought a new has written a letter to the stakeholders of Sona BLW which she has expressed concern and said that since of June, pressure is being exerted on her and efforts is Karisma Kapoor's share? Now sources close to the Karisma has no involvement or stake in the property time, such things were coming that Karisma is also husband. But now it has become clear that there is that Karisma has no connection with any property. heirs of the late businessman's property and they will year 2016 - It is being said that Karisma's entire focus this time. Let us tell you that Karisma and Sanjay got married in a grand ceremony in 2003. However, things did not work out and both of them filed for divorce by mutual consent in 2014. Their divorce was finalized in 2016. What is the whole matter? In the year 2016, Karisma filed a case of domestic violence against Sanjay and his mother Rani Kapoor. Being the chairman of the $3.6 billion Sona Comstar Group, he has left behind an estimated wealth of more than Rs 30,000 crore. Before the annual meeting of Sona Comstar, Sanjay's mother issued a public statement claiming that she has a major share in the group and hence she is the legal heir to the property.

Saiyaara moved ahead by defeating two big films, ruined earnings

Saiyaara Collection From the box office to the theatres, the name of Saiyaara is making a splash. Every day the film is moving ahead creating a new history in terms of earnings. Making a bumper collection on the 13th day of release, Saiyaara has left behind these two big Bollywood films. Wiped out two Bollywood films Total business of so many crores till now As a romantic thriller, director Mohit Suri's Saiyaara has truly won the hearts of the audience. This movie starring Ahaan Panday and Anit Padda, which is on the verge of completing its second week of release, is still the audience's favorite and its shows are going housefull in the theatres. On the 13th day of release, Saiyaara (Saiyaara Collection Day 13) has once again done a surprising business. Not only this, in terms of net collection, this movie has achieved a new record by leaving behind two big films of Hindi cinema. This was the earning of Saiyara on the 13th day After the second weekend, the earning graph of Saiyara has definitely come down, but on last Tuesday, the movie has once again returned to double digit by doing business of more than 10 crores. Something similar was seen on the 13th day of its release. According to the report of Saccanilk, till the time of writing the news, Saiyara has earned around 8 crores at the box office on the 13th day, which is considered to be a very good figure for a weekday. Looking at this figure of Saiyara's collection, it can be easily guessed that people are still reaching the theaters in large numbers to watch it. If the earnings of the second Wednesday are added, then now the net box office collection of Saiyara has reached close to 280 crores. With this, this romantic film of Ahaan Pandey has surpassed these two big Bollywood movies in terms of lifetime collection. Saiyaara - 280 crores Tanhaji - 279 crores Kabir Singh - 278 crores Saiyara will break the records of many other films as well On this basis, it can be clearly said that in the coming days, there will be an even more increase in the earnings of Saiyara. Along with this, this movie can also leave many other films behind in terms of lifetime collection. Let us tell you that currently Saiyara has come on the 18th position in terms of highest earning Hindi cinema.

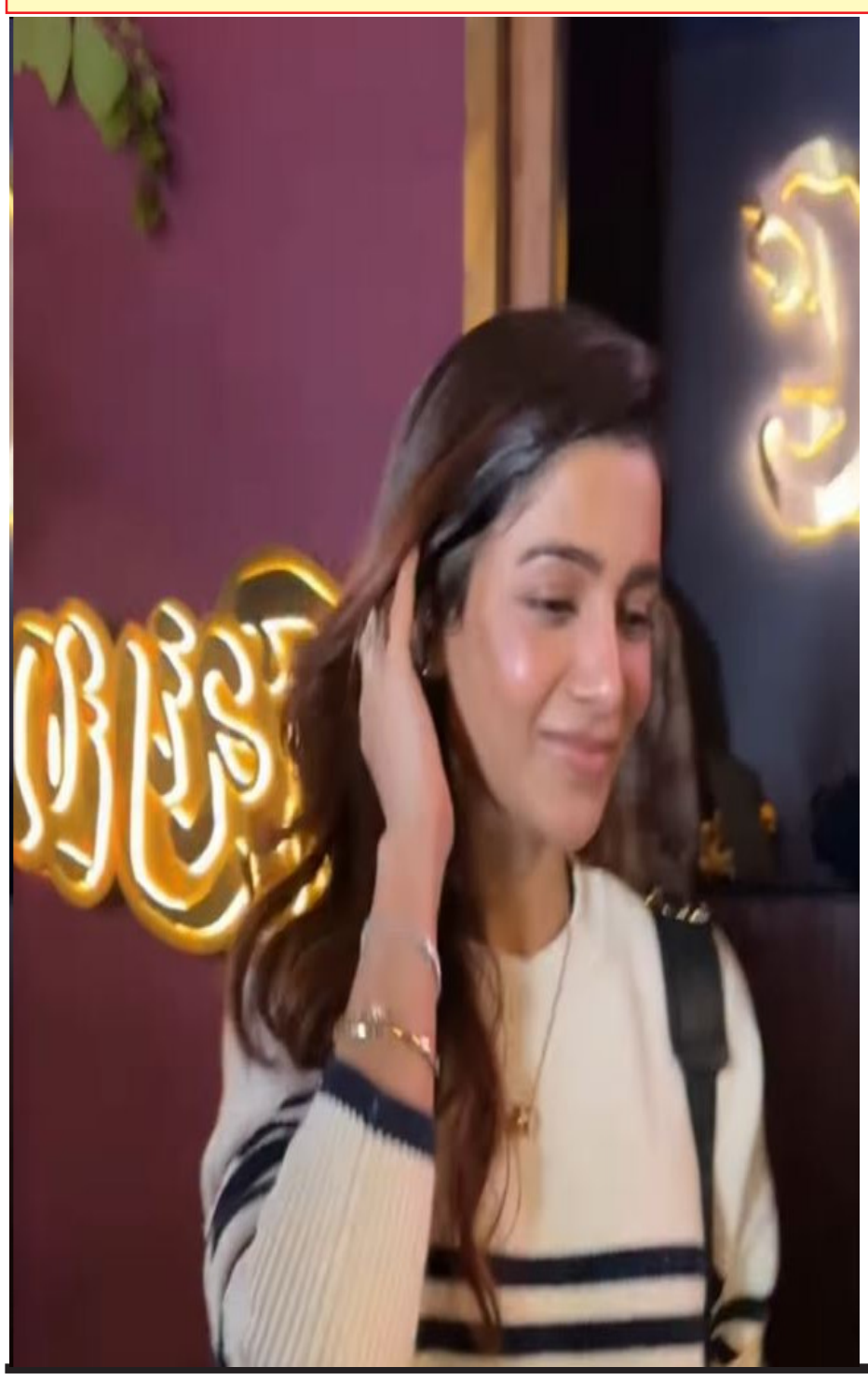

Samantha Ruth Prabhu's rumoured boyfriend Raj seen angry after dinner date, video goes viral

Actress Samantha Ruth Prabhu's name is being linked with famous director Raj Nidimoru these days. Both were seen together many times and now once again both were spotted together. But this time Raj Nidimoru was seen angry. Know why. Samantha Ruth Prabhu seen with rumoured boyfriend Director Raj Nidimoru seen angry Both were seen leaving the restaurant together After separating from ex-husband Naga Chaitanya, Samantha Ruth Prabhu has also moved on. While Naga Chaitanya has married actress Shobhita Dhulipala for the second time, Samantha's name is being linked with well-known director Raj Nidimoru these days. Raj and Samantha's affair has been in the news for a long time. Sometimes both of them attend sports events together and sometimes they are seen going to the temple together. Now once again both of them were seen together. But this time Raj was seen a little angry. Samantha and Raj seen after dinner date Actually, last night i.e. on July 30, Samantha Ruth Prabhu and Raj Nidimoru were spotted coming out of a restaurant in Mumbai together, from which it is being speculated that they had come to enjoy a dinner date together. Both not only left the restaurant together, but also got into the same car. First Samantha came out and sat in the car, then Raj came. Raj Nidimoru seen angry Raj Nidimoru was just sitting in the car when the paparazzi surrounded him. While closing the car door, he was seen staring angrily at the paps. The caption of a paparazzi video read, "Samantha's rumored boyfriend gave an angry look to the paps." Talking about the look, both were seen in casual look. Samantha wore a black-white sweatshirt which she styled with open hair and simple jewelry. At the same time, Raj was seen in denim jeans, black T-shirt and olive green color shirt. Rumored couple worked together in the web series Samantha Ruth Prabhu and Raj Nidimoru have worked together in Citadel Honey Bunny. This web series has been directed by Raj and DK, while Samantha was in the lead role with Varun Dhawan. Some time ago, Samantha shared some photos in which Raj was seen posing with his hand on her shoulder. Fans considered these pictures as the official announcement of their relationship.